■ कार्तिक कृष्ण - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 88 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 21-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

PUNJAB ASSOCIATION'S

ANNA ADARSH

COLLEGE FOR WOMEN

(Autonomous)

(Affiliated to University of Madras, Chennai)

★★★ Re-accredited by NAAC with 'A++' Grade ★★★

A-I, II Street, Anna Nagar, Chennai - 600 040.

www.annaadarsh.edu.in 044-26212089

A Proud Moment

University Grants Commission has conferred

AUTONOMOUS

STATUS

ACADEMIC YEAR

2024-2025

TO

2033-2034

Thank you

FACULTY | STUDENTS | ALUMNI | EMPLOYEES | PARENTS & ALL STAKEHOLDERS FOR YOUR SUPPORT

Dr. VIKRAM AGGARWAL, President

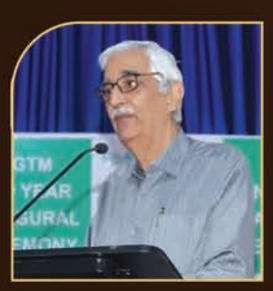

RAMESH LAMBA
General Secretary

AJAY BHALLA
Treasurer

SUNIL HASIJA
Correspondent

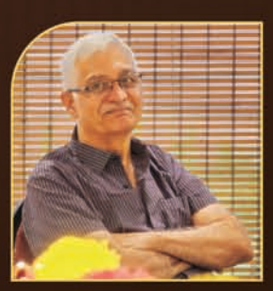

VIJAY BHATIA
Vice President & Chairman (Non Academic)

Dr. R. SHANTHI
Principal

मांडविया असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 'ईश्रम-वन स्टॉप सॉल्यूशन' की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया 21 अक्टूबर यानी सोमवार को 'ईश्रम –वन स्टॉप सॉल्यूशन' का शुभारंभ करेंगे।

सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए एक स्थान पर हर तरह का समाधान देने की घोषणा की थी। इसके तहत ही यह पहल की गई है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बयान में कहा कि 'ईश्रम – वन स्टॉप सॉल्यूशन' असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को ईश्रम के साथ जोड़ दिया गया है।

हम एम्स ब्रांड को कमजोर नहीं होने देंगे : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी.नड्डा ने रविवार को कहा कि वह नये अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में पढ़ाई और शिक्षण कर्मियों की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आने देंगे और इस ब्रांड की रक्षा करेंगे।

नड्डा ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सेवाएं दे रहे बिहार और झारखंड के चिकित्सकों के मंच द्वारा आयोजित बीजेएमएफकॉन–2024 को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली एम्स की स्थापना 60 के दशक में हुई और 80 के दशक में ही यह एक ब्रांड के रूप में उभर पाया। उन्होंने कहा, किसी भी संस्थान को विकास करने और पूरी क्षमता से काम करने में 10 से 20 साल का समय लगता है। मैं एम्स के मानकों को कमजोर नहीं होने दूंगा और ब्रांड नाम की रक्षा करूंगा। नड्डा ने कहा कि शिक्षण कर्मियों की भर्ती में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एम्स–दरभंगा के लिए जल्द ही भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा और एम्स–देवघर का काम शुरू हो चुका है और कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नड्डा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा स्वास्थ्य में बदलाव लाने के लिए कई नीतिगत हस्तक्षेप किए गए हैं। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य नीति–2017 में हमने इसे व्यापक और समग्र बनाने का प्रयास किया। पहले उपचारात्मक पहलू पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक उपशामक और पुनर्वास पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो एक समग्र दृष्टिकोण है। नड्डा ने कहा कि जिन सुविधाओं को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र और उप–केंद्र कहा जाता था उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बदल दिया गया है।

चेक कंपनी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है जिंदल समूह

नई दिल्ली/भाषा। अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करने के लिए घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है।

सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा। नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

उद्योग सूत्रों ने कहा, ''दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।

सूत्रों के अनुसार, सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो (लगभग 1,000 करोड़ रुपए) हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी।

समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

आप ने स्कूल धमाके पर कहा

केंद्र दिल्ली में कानून-व्यवस्था कायम करने में विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि दिल्ली में एक स्कूल के नजदीक धमाके ने राष्ट्रीय राजधानी में 'चरमराती' होती कानून व्यवस्था को उजागर कर दिया है।

पार्टी ने कहा कि यह दिखाता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार दिल्ली वालों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी को पूरा करने में विफल हुई है। मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, '' रोहिणी स्थित एक स्कूल के बाहर बम धमाके की घटना दिल्ली की चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर (कानून एवं व्यवस्था)की जिम्मेदारी भाजपा की केंद्र सरकार के पास है। लेकिन भाजपा अपना ये काम छोड़कर सारा समय दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों को रोकने में लगाती है।''

आतिशी ने कहा,''यही कारण है कि आज दिल्ली में 1990 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के दौर जैसा हाल हो गया है। शहर में सरेआम गोलियां चल रही है, गैंगस्टर वसूली कर रहे हैं और अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी के पास ना काम करने की नीयत है ना काबिलियत। अगर गलती से भी दिल्ली वालों ने इन्हें दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी दे दी तो ये स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी का भी वही हाल कर देंगे जो आज दिल्ली की कानून व्यवस्था का है।'' आप के आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आंध्र प्रदेशः विवाहित व्यक्ति ने नाबालिग लड़की को जिंदा जलाया

बडवेल (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के बडवेल में 16 वर्षीय लड़की को कथित तौर पर उसके पूर्व प्रेमी ने जलाकर मार डाला। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी व्यक्ति ने कुछ महीने पहले नाबालिग से रिश्ता तोड़ लिया था और अन्य महिला से शादी कर ली थी। उन्होंने कहा कि आरोपी जे. विग्नेश ने कडप्पा जिले के बडवेल के बाहरी इलाके में नाबालिग के ऊपर कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

म्यदुकुरु के उप–विभागीय पुलिस अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''विग्नेश ने शनिवार सुबह करीब 10 बजे नाबालिग को आग लगा दी, जिसके बाद पीड़िता को कडप्पा स्थित आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन रविवार तड़के करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई।'' पुलिस के अनुसार, विग्नेश और लड़की के बीच प्रेम संबंध में थे, लेकिन विग्नेश ने उससे रिश्ता तोड़कर दूसरी महिला से शादी कर ली। इसने कहा, लड़की ने छह महीने पहले विग्नेश से बात की थी और उससे शादी करने के लिए कहा था। विग्नेश ने उसकी मांग से तंग आकर उसे आग के हवाले कर दिया।'' पुलिस ने बताया कि विग्नेश पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसने कहा कि आरोपी विग्नेश फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

तेलंगाना सरकार ने आरक्षण खत्म करने के लिए लोक सेवा परीक्षा नियमों में संशोधन किया : लक्ष्मण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के. लक्ष्मण ने राज्य लोक सेवा परीक्षा नियमों में कुछ संशोधनों को लेकर तेलंगाना की कांग्रेस सरकार की रविवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि यह कदम 'आरक्षण खत्म करने की साजिश' है। भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और इस मुद्दे पर उनसे जवाब की मांग की।

छात्रों का एक वर्ग इस साल की शुरुआत में अधिसूचित तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा नियमों में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा लाए गए संशोधनों का विरोध कर रहा है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और बीआरएस नेताओं ने शनिवार को हैदराबाद में टीएसपीएससी ग्रुप–1 सेवाओं के उम्मीदवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्र मुख्य परीक्षा स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने छात्रों से बिना किसी गलतफहमी के परीक्षा में बैठने का आग्रह किया।

लक्ष्मण ने 'पीटीआई–भाषा' कहा, छात्र तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा राज्य में ग्रुप–1 अधिकारियों की भर्ती में आरक्षण समाप्त करने की साजिश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा छात्रों को अपना समर्थन देती है। उन्होंने कहा, मैं इस पर राहुल गांधी से स्पष्ट जवाब चाहता हूं। आप संविधान हाथ में लेकर देशभर में घूम रहे हैं, आरक्षण के मुद्दे पर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आंसू बहा रहे हैं, जबकि आपकी पार्टी की सरकार आरक्षण खत्म करने के लिए तेलंगाना को प्रयोगशाला बना रही है।

लक्ष्मण ने मांग की कि तेलंगाना सरकार टीएसपीएससी परीक्षा के संशोधित नियमों को वापस ले और भर्ती परीक्षा का कार्यक्रम फिर से निर्धारित करे।

शनिवार शाम तेलंगाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद से ग्रुप–1 सेवा की नियुक्तियां नहीं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियमों को बीच में बदलने से कानूनी समस्या पैदा हो सकती है और उनकी सरकार एससी, एसटी और ओबीसी के हितों की रक्षा कर रही है।

भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण–पश्चिम और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा की ओर से जारी उम्मीदवारों की इस सूची को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की 16 अक्टूबर को हुई बैठक में अंतिम रूप दिया गया। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची में 13 महिलाएं हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति से छह और अनुसूचित जाति से चार उम्मीदवार हैं।

महाराष्ट्र में फिलहाल महायुति गठबंधन की सरकार है, जिसके मुखिया शिवसेना के एकनाथ शिंदे हैं। इस सत्ताधारी गठबंधन में शिवसेना के अलावा भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) है। इसमें उद्धव बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और वरिष्ठ नेता शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल है। साल 2019 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति बिल्कुल बदल गई है। साल 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और अविभाजित शिवसेना ने राजग के बैनर तले साथ मिलकर लड़ा था। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 165 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे और वह 105 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। शिवसेना ने 126 सीट पर चुनाव लड़ा था और उसे 56 पर जीत मिली थी।

दूसरी तरफ, कांग्रेस ने 147 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे और उसे 44 सीट पर जीत मिली थी, जबकि राकांपा को 121 में से 54 सीट पर जीत हासिल हुई थी। इस साल हुए लोकसभा चुनावों में, भाजपा–शिवसेना–राकांपा गठबंधन को झटका लगा था। राज्य की 48 संसदीय सीट में से सत्तारूढ़ गठबंधन को केवल 17 पर जीत मिली थी।

कश्मीर मैराथन में शेर सिंह, तमसी सिंह ने जीत दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। शेर सिंह और तमसी सिंह ने रविवार को पहले कश्मीर मैराथन के क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग की पूर्ण मैराथन दौड़ (42 किलोमीटर) में जीत हासिल की। यह घाटी का पहला अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक आयोजन था जिसमें देश और विदेश के विभिन्न भागों से लगभग 2,000 एथलीट ने हिस्सा लिया।

18–35 आयु वर्ग में शेर सिंह 2:23:22 का समय लेकर विजेता बने। सिंह दूसरे स्थान पर रहे मान सिंह से एक मिनट और 42 सेकंड आगे रहे। इसी आयु वर्ग में महिलाओं की स्पर्धा में तमसी सिंह ने 3:03:25 का समय लेकर दौड़ पूरी की, जबकि भागीरथी बिष्ट 3:04:11 का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस आयोजन में भारत, यूरोप और अफ्रीका के शीर्ष लंबी दूरी के धावकों ने भाग लिया। यह आयोजन दो श्रेणियों – 'फुल–मैराथन' (42 किलोमीटर) और 'हाफ–मैराथन' (21 किलोमीटर) में आयोजित किया गया। इससे पहले जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 'कश्मीर मैराथन' को हरी झंडी दिखाने के बाद 'हाफ मैराथन' में हिस्सा लिया। उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी थे।

अब्दुल्ला (54) ने कश्मीर मैराथन के भविष्य को लेकर आशा जतायी और इसकी वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख आयोजन के रूप में कलपना की। अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं श्रीनगर के लोगों का आभारी हूं कि वे धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए आगे आए। मुझे उम्मीद है कि 'कश्मीर मैराथन' दुनिया की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक होगा। मैं इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देता हूं। मुझे नहीं पता था कि मैं 21 किलोमीटर दौड़ पाऊंगा या नहीं, क्योंकि इससे पहले मैंने सबसे लंबी दौड़ 12–13 किलोमीटर की थी। हालांकि मुझे लगता है कि अन्य एथलीट के साथ दौड़ने से मुझे दौड़ पूरी करने की प्रेरणा मिली।''

शेट्टी ने आयोजन की सराहना की और कहा कि प्रतिभागी अच्छी संख्या में आए थे। उन्होंने कश्मीर के सुरम्य परिवेश में 42 किलोमीटर दौड़ने के अवसर ''मैराथन के प्रतिभागियों के लिए सुअवसर करार दिया। पर्यटन विभाग ने इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन विभाग ने किया था, जिसका उद्देश्य दुनिया को यह दिखाना है कि कश्मीर की स्थिति में सुधार हुआ है। साथ ही वह कश्मीर को पर्यटक–अनुकूल स्थल के रूप में बढ़ावा देना चाहता था। पर्यटन विभाग के निदेशक राजा याकूब ने शनिवार को कहा था, ''कश्मीर सबके लिए खुला है। हम दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से आने वाले पर्यटकों का स्वागत करते हैं। अगर कोई 42 किलोमीटर दौड़ रहा है, तो यह अपने आप में संकेत है कि कश्मीर में अब स्थिति शांतिपूर्ण है।''

सफलता पाने के लिए त्याग करने को तैयार रहें : तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने छात्रों से कहा

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि एक अच्छा नेता बनने के लिए सबसे पहले दो मूल्यों – साहस और बलिदान – के बारे में सोचना होगा। उन्होंने यहां इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) परिसर में 'आईएसबी लीडरशिप समिट' में कहा कि भारत के महान नेताओं और कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने लोगों के लिए अपना करियर, संपत्ति, सुख–चैन का त्याग कर दिया और यहां तक कि अपना जीवन भी कुर्बान कर दिया।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार रेड्डी ने कहा, ''एक अच्छा नेता बनने के लिए सबसे पहले, साहस और बलिदान, इन दो बड़े मूल्यों के बारे में सोचें। यदि आपमें साहस है और आप बलिदान के लिए तैयार हैं तो आप सफल होंगे।'' उन्होंने आईएसबी के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हमेशा लोगों से सीधा संपर्क बनाए रखें तथा गरीब, अमीर, युवा और वृद्ध लोगों को समान रूप से सम्मान दें तथा उनके साथ मित्रवत व्यवहार करें।

'कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता जल्द ही शावकों को जन्म देगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में एक मादा चीता जल्द ही शावकों को जन्म देने वाली है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यह 'चीता परियोजना' के लिए एक बड़ी उपलब्धि का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ चीतों (पांच मादा और तीन नर) को कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी)में छोड़ने का कार्य किया। यह आठ दशकों बाद हुआ, जब भारत में चीते शिकार के कारण विलुप्त हो गए थे। यह दुनिया के पहले अंतरमहाद्वीपीय स्थानांतरण का हिस्सा था। फरवरी 2023 में देश में चीतों को फिर से लाने की भारत सरकार की परियोजना के हिस्से के रूप में द.अफ्रीका से 12 अन्य चीतों को मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया गया। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, कूनो में खुशियां आने वाली हैं। देश के 'चीता स्टेट' मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता जल्द ही नए शावकों को जन्म देने वाली है।

भारत का सौर उपकरण आयात 2030 तक सालाना 30 अरब डॉलर होने का अनुमानः जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। भारत का सौर उपकरण आयात 2030 बढ़कर सालाना 30 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को एक रिपोर्ट में कहा कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के देश के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह निर्यात बढ़ेगा। इस दौरान चीन पर निर्भरता भी बढ़ेगी। जीटीआरआई ने कहा कि भारत में एक आत्मनिर्भर सौर विनिर्माण उद्योग विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से पॉलीसिलिकॉन और वेफर उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश करना होगा।

आईएसआई और आतंकी समूह आतंकियों की भर्ती के लिए कर रहे ऑनलाइन मंचों का इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और आतंकी समूह डिजिटल मंचों के जरिए जम्मू–कश्मीर में भर्ती के प्रयास तेज करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि कड़े सुरक्षा प्रबंधों के चलते प्रत्यक्ष संवाद करना मुश्किल होता जा रहा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी के अनुसार ये समूह सोशल मीडिया मंचों और 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप के जरिए कम उम्र के युवाओं को बहकाने का प्रयास कर रहे हैं। पकड़े जाने से बचने के लिए वे फर्जी प्रोफाइल और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बार पहचान हो जाने के बाद इन युवकों को निजी समूहों में शामिल कर लिया जाता है, जहां उन्हें सुरक्षा बलों द्वारा कथित रूप से किए गए अत्याचारों से जुड़े वीडियो समेत बरगलाने वाली चीजें दिखाई जाती हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े हैंडलर नफरत भड़काने और भर्ती के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए यह रणनीति अपनाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समूहों में भर्ती होने वाले संभावित लोगों को अब सैय्यद कुतुब नामक मिस्र के चरमपंथी से जुड़ा साहित्य पढ़ाया जा रहा है, जिसकी विचारधारा ने अल–कायदा समेत विभिन्न कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को काफी प्रभावित किया है। साल 1966 में फांसी पर लटकाए गए कुतुब ने धर्मनिरपेक्ष सरकारों और पश्चिमी देशों के प्रभाव के खिलाफ जिहाद की वकालत की थी। अधिकारियों ने बताया कि पहले आतंकवाद समर्थक नए लोगों की भर्ती के लिए प्रत्यक्ष संपर्क पर निर्भर रहते थे, लेकिन जैसे–जैसे सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे नेटवर्कों को ध्वस्त करने के प्रयास तेज किए हैं, उनके तरीके भी बदल गए हैं। नए भर्ती हुए लोगों को क्षेत्र में काम सौंपे जाने से पहले यूट्यूब समेत विभिन्न डिजिटल माध्यमों से प्रशिक्षण दिया जाता है।

तेलंगाना के सरकारी अस्पताल में आग लगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के निर्मल जिले के एक सरकारी अस्पताल में रविवार को आग लग गई, लेकिन इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। अस्पताल की पहली मंजिल पर भंडार कक्ष में आग लगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अस्पताल को खाली करा दिया। उन्होंने बताया कि आग मामूली थी और दमकल कर्मियों ने इसे बुझा दिया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के आधार पर, आग शॉर्ट–सर्किट के कारण लगने का संदेह है।

अमेरिकी कंपनी बिसेल छह साल बाद फिर भारतीय बाजार में उतरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मिशिगन, अमेरिका के घरेलू समाधान प्रदाता बिसेल ने छह साल के बाद अपने वैक्यूम क्लीनर्स की शृंखला के साथ भारत में फिर से प्रवेश किया है। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि यह देश 'भविष्य में एक बहुत महत्वपूर्ण बाजार' होगा। बिसेल के अध्यक्ष (वैश्विक बाजार) मैक्स बिसेल ने बताया, हालांकि भारत वैश्विक स्तर पर फर्श की देखभाल वाले उत्पादों के लिए अपेक्षाकृत छोटा बाजार है, लेकिन इसकी जनसांख्यिकी और बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए यह भविष्य के लिए एक निवेश है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि भारत भविष्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार होगा। अगर हम सिर्फ जनसंख्या और हमारे सामने मौजूद अवसरों को देखें, तो यह भविष्य के लिए एक निवेश है।

बिसेल ने भारत में वितरण के लिए कैविटक ग्लोबल कॉमर्स के साथ साझेदारी की है और वह अस्थायी गीले और सूखे वैक्यूम क्लीनिंग सिस्टम जैसे 'स्पॉटक्लीन हाइड्रोस्टीम' और 'स्पॉटक्लीन प्रोहीट' को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो पहले से ही ई–कॉमर्स मंच अमेज़न पर उपलब्ध हैं। बिसेल ने कहा, यह अगली पीढ़ी के लिए एक निवेश है, जहां हम यह जानते हुए बाजार में प्रवेश कर सकते हैं कि यह बहुत बड़ा नहीं होने वाला है, लेकिन यह वास्तव में ऐसे बीज बोएगा जो भविष्य के लिए पेड़ के रूप में विकसित होंगे। शुरुआत में कंपनी अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन साझेदारों के जरिये बिक्री पर ध्यान केंद्रित करेगी और बाद में मात्रा बढ़ने के बाद भौतिक विस्तार पर विचार करेगी।

कार्तिक कृष्ण - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 88 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 21-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हम एक मैच के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते : रोहित

6 बहराइच हिंसा के सच को स्वीकारें

7 अमिताभ के साथ रोमांस करना चाहती है विद्या बालन

‘परिवारवादी राजनीति’ देश के सामने खड़ा ‘बहुत बड़ा खतरा’ : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘परिवारवादी राजनीति’ को देश के सामने खड़ा ‘बहुत बड़ा खतरा’ करार देते हुए रविवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे दलों के लिए वाराणसी का विकास न तो पहले प्राथमिकता में था और ना ही भविष्य में कभी होगा।

मोदी ने यह भी कहा कि परिवारवादी लोग कभी युवाओं को मौका देने में विश्वास नहीं करते, इसलिए वह देश के एक लाख ऐसे नौजवानों को राजनीति में लाएंगे जिनके परिवार का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में विपक्षी दलों कांग्रेस और सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ‘‘दशकों बाद बनारस के विकास के लिए इतना काम एक साथ हो रहा है, वरना काशी को तो जैसे उसके हाल पर छोड़ दिया गया था। आप 10 साल पहले की स्थिति याद करिए। बनारस को विकास के लिए तरसाया जाता था।

प्रधानमंत्री ने पूछा कि जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक सरकारें चलायीं, जो लोग दिल्ली में दशकों तक सरकार में बैठे रहे, उन्होंने कभी बनारस की परवाह क्यों नहीं की? उन्होंने दावा किया, इसका जवाब है परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति। कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी ऐसे दलों के लिए बनारस का विकास ना पहले प्राथमिकता में था न भविष्य में कभी होगा।’’ मोदी ने कहा कि आज भारत के सामने परिवारवादी राजनीति का बहुत बड़ा खतरा है और यह परिवारवादी सबसे ज्यादा नुकसान देश के युवाओं का करते हैं।

6700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इससे पहले, मोदी ने वाराणसी पहुंचकर कांची मठ द्वारा संचालित आर.जे. शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन किया। कांची मठ से जुड़े लोगों के मुताबिक, इस अस्पताल से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के साथ-साथ बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को भी फायदा होगा।

गांदरबल में आतंकवादी हमले में एक डॉक्टर और छह श्रमिकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादी हमले में एक डॉक्टर और छह श्रमिकों की मौत हो गयी । यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के गुंड इलाके में एक सुरंग परियोजना पर कार्यरत मजदूर एवं अन्य कर्मी देर शाम जब अपने शिविर में लौटे तब अज्ञात आतंकवादियों ने उनपर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने मजदूरों के समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें स्थानीय और बाहरी लोग दोनों शामिल थे। माना जाता है कि आंतकवादियों की संख्या कम से कम दो थी।

अधिकारियों ने बताया कि दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल श्रमिकों एवं एक डॉक्टर ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पांच घायलों का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की है और हमलावरों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी के बिरदी समेत शीर्ष सुरक्षा अधिकारी स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

अयोध्या विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी और कहा कि अगर आस्था हो तो ईश्वर कोई भी रास्ता निकाल देते हैं।

वह खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा, ‘‘अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) आते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और उनसे कहा कि उन्हें इसका समाधान ढूंढना होगा।’’

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, ‘‘मेरा विश्वास करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर हमेशा कोई रास्ता निकाल देंगे।’’

देश के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके उस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया था जो एक सदी से भी अधिक पुराना था।

पीठ ने यह भी फैसला दिया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा थे।

प्रधान न्यायाधीश इस वर्ष जुलाई में अयोध्या में राम मंदिर गये थे और पूजा-अर्चना की थी।

राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह इस वर्ष 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित हुआ था।

रविवार को भी 24 उड़ानों में मिली बम होने की धमकी

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विमानन कंपनियों के 24 उड़ानों को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इन विमानन कपंनियों में इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया और अकासा एयर शामिल हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित विभिन्न उड़ानों में बम होने की धमकी मिली। उन्होंने बताया कि इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की छह-छह उड़ानों को धमकियां मिलीं। इस सप्ताह अब तक 90 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं जो सभी झूठी साबित हुई हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक अलग बयान में कहा कि एयरलाइन ने उड़ान संख्या 6ई 58 (जेद्दा से मुंबई), 6ई87 (कोझिकोड से दम्माम), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई133 (पुणे से जोधपुर) और 6ई112 (गोवा से अहमदाबाद) में उत्पन्न स्थिति पर ध्यान दिया। विस्तारा ने कहा कि उसे छह उड़ानों यूके25 (दिल्ली से फ्रैंकफर्ट), यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके146 (बाली से दिल्ली), यूके116 (सिंगापुर से दिल्ली), यूके110 (सिंगापुर से पुणे) और यूके107 (मुंबई से सिंगापुर) को लेकर धमकी मिली है।

दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार धमाका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के रोहिणी में रविवार सुबह प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती जांच के मुताबिक यह देसी बम से किया गया धमाका हो सकता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और दिल्ली पुलिस की टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी और फॉरेंसिक टीम ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल से नमूने एकत्र किए। विस्फोट की सूचना सुबह करीब 7.50 बजे मिली।

पुलिस ने बताया कि स्कूल की दीवार, पास की दुकानें और एक कार क्षतिग्रस्त हो गईं। त्योहारों की वजह से दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था पहले ही कड़ी कर दी गई है।

घटना के कथित वीडियो में घटनास्थल से धुएं का गुबार निकलता दिखाई दे रहा है। साथ ही, विस्फोट स्थल के पास दो कार खड़ी थीं और विस्फोट से कुछ सेकंड पहले कुछ दोपहिया वाहन वहां से गुजरे थे। स्थानीय निवासियों ने कहा कि विस्फोट ‘तीव्र’ था और इसके बाद इलाके में दुर्गंध फैल गई।

पुलिस ने बताया, ‘‘एफएसएल और एनएसजी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और नमूने एकत्र किए। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा 4 और विस्फोटक अधिनियम की धारा चार के तहत रोहिणी के प्रशांत विहार पुलिस थाने में प्राथमिकी संख्या 512/24 यू/एस 326 (जी)दर्ज किया गया है।’’

अधिकारियों ने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों को घटनास्थल पर एक संदिग्ध ‘सफेद पाउडर’ मिला है और उन्होंने इसे जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिया है।

फर्स्ट टेक

श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में हुई चोरी, चार हिरासत में

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के प्रसिद्ध श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर से कथित तौर पर कांस्य पात्र चुराने के आरोप में हरियाणा से चार लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय भाषा में उरुली कहे जाने वाले पारंपरिक बर्तन का उपयोग प्राचीन मंदिर में पूजा और अनुष्ठानों के लिए किया जाता था। पुलिस ने पुष्टि की कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और हरियाणा पुलिस के सहयोग से उन्हें हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ‘‘आरोपियों में से एक डॉक्टर है, जिसके पास आस्ट्रेलिया की नागरिकता है। पिछले सप्ताह उसके साथ दो-तीन महिलाओं ने दरगाह में जाकर प्रार्थना की थी। यह अपराध कथित तौर पर बृहस्पतिवार को हुआ।’’

प्रबोवो सुबियांतो ने ली इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ

जकार्ता/एपी। प्रबोवो सुबियांतो ने विश्व में सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति के रूप में रविवार को शपथ ली। इसके साथ ही, उन्होंने देश की सैन्य तानाशाही के दौरान मानवाधिकारों का हनन करने के आरोपों का सामना करने वाले पूर्व जनरल से लेकर राष्ट्रपति पद तक का सफर पूरा किया। पूर्व रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो (73) ने देश के सांसदों और अन्य देशों से आमंत्रित किए गए गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष ‘कुरान’ पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित किये गए शपथ ग्रहण समारोह में 30 से अधिक देशों के नेता और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, सऊदी अरब, रूस, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सम्मिलित हैं।

मालदीव ने नया विदेशी मुद्रा विनियमन लागू किया

माले/भाषा। डॉलर संकट से जूझ रहे मालदीव ने एक नया विदेशी मुद्रा विनियमन लागू किया है। इसके तहत विदेशी मुद्रा में लेन-देन के प्रकार को सीमित किया गया है और पर्यटन प्रतिष्ठानों और बैंकों पर अनिवार्य विदेशी मुद्रा विनिमय नियंत्रण लगाया गया है। पिछले साल राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के ‘इंडिया आउट’ अभियान के जवाब में भारतीय पर्यटकों से इस खूबसूरत द्वीपीय देश से दूर रहने के आह्वान के बाद मालदीव की अर्थव्यवस्था को झटका लगा है। पिछले महीने मालदीव इस्लामिक बॉन्ड भुगतान में संभावित चूक से बच गया, क्योंकि भारत ने उसे पांच करोड़ डॉलर का ब्याज मुक्त ऋण दिया था।

सूर्यास्त	सूर्योदय
21-10-2024 5:46 बजे	22-10-2024 6:00 बजे

BSE	NSE
81,224.75 (+218.14)	24,863.40 (+113.55)

सोना	चांदी
8,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	107,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचार की हत्या

सबको ही कहने का हक है,
अब मौलिक अधिकार से।
पर सच कहना बहुत कठिन है,
वैचारिक आधार से।
तर्कहीन बस हमला करते,
गाली या हथियार से।
हत्या भी वे ही करते जो,
लड़ ना सके विचार से।।

यूक्रेन ने रूस पर दागे 100 से ज्यादा ड्रोन

रूसी मिसाइल हमलों में 17 यूक्रेनी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने रविवार को देश के पश्चिमी क्षेत्र में 100 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर यूक्रेन के क्रीवी रिह शहर में एक बैलिस्टिक मिसाइल हमले में 17 लोग घायल गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बीती रात रूस के सात क्षेत्रों की ओर भेजे गए 110 ड्रोन को मार गिराया गया। मंत्रालय ने कहा कि अधिकतर ड्रोन ने रूस के सीमा क्षेत्र कुर्क्स को निशाना बनाया, जहां 43 ड्रोन मार गिराए जाने की सूचना मिली है। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो फुटेज में निजनी नोवगोरोड क्षेत्र के डेजरजिन्स्क शहर के ऊपर वायु रक्षा बल ड्रोनों के तबाह करते हुए दिख रहे हैं।

स्थानीय गवर्नर ग्लेब निकितिन ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि डेजरजिन्स्क औद्योगिक क्षेत्र पर ड्रोन हमले को विफल करते हुए चार लड़ाके घायल हो गए। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी नहीं दी।

इस बीच अधिकारियों ने रविवार को कहा कि यूक्रेन के क्रीवी रिह शहर पर दो रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले में 17 लोग घायल हो गए।

स्थानीय प्रशासन के प्रमुख एलेक्जेंडर विलकुल ने कहा कि शनिवार शाम हुए हमले में मकानों और औद्योगिक परिसरों को भी नुकसान हुआ है।

देश भर में धूमधाम से मनाया गया करवा चौथ, बाज़ारों में रही रौनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। देश भर में रविवार को करवा चौथ का त्योहार पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

आम तौर पर करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु के लिये रखती हैं, लेकिन इस बार करवा चौथ के व्रत को लेकर एक खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में पुरुषों ने भी अपनी पत्नियों की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए व्रत रखा। इस तरह से यह परंपरा अब सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब पुरुष भी बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लेने लगे हैं।

युवा पीढ़ी में इस व्रत को लेकर अधिक उत्साह देखने को मिला। युवाओं ने इस मामले में अपने बड़े-बुजुर्गों को भी पीछे छोड़ दिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक पीढ़ी भी अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का महत्व समझती है।

इस खास मौके पर बाज़ारों में जबरदस्त रौनक़ देखने को मिली। कपड़े, ज्वेलरी, संवरने का सामान, पूजा सामग्री, और उपहारों की जमकर खरीदारी बिक्री हुयी।

कनफ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुमान के मुताबिक इस वर्ष करवा चौथ के अवसर पर 22 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से भी अधिक है। कैट ने दिवाली तक देश में 4.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान लगाया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चाँदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से करवा चौथ का व्रत रखते हैं और देश भर के व्यापारियों से यह व्रत रखने का लगातार आग्रह भी करते रहे हैं।

खंडेलवाल ने कहा,मैं 20 वर्षों से अधिक समय से मैं अपनी पत्नी के साथ करवा चौथ का व्रत रखता हूँ और इसका उद्देश्य न केवल उनके लंबे तथा स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करना है, बल्कि परिवार की खुशहाली, समृद्धि और आपसी सहयोग को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इससे समानता और सम्मान को बढ़ावा मिलता है। साथ ही स्वास्थ्य और आत्म-नियंत्रण भी मज़बूत होता है तथा पारिवारिक एकता को भी बल मिलता है।उन्होंने कहा कि जब पति और पत्नी दोनों मिलकर किसी धार्मिक अनुष्ठान का पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। उन्होंने कहा, मेरा यह विश्वास है कि इस तरह के सांस्कृतिक और धार्मिक अनुष्ठानों में पुरुषों की भागीदारी से समाज में समानता तथा आपसी समझ को बढ़ावा मिलेगा।

सड़क हादसे में आठ बच्चों सहित 12 लोगों की मौत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संवेदना व्यक्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के बाडी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेंपो के बीच हुई टक्कर में आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। बाडी थानाधिकारी शिवलहरी मीणा ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब ग्वालियर से जयपुर जा रही तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस ने सुमीपुर के पास टेंपो को टक्कर मार दी।

ह दुर्घटना धौलपुर जिले में करौली-धौलपुर राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि हादसे में एक दंपति और आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। पीड़ित एक ही परिवार के थे और शादी समारोह से लौट रहे थे।

मीणा ने बताया कि मृतकों की पहचान इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), परवीन (32), जरीना (35), शाकिर (6), सनीफ (9), अजान (5), आशियाना (10), सूफी (7) और दानिश (10) के रूप में हुई है। वे बाड़ी के करीम गुमवत कॉलोनी के निवासी थे और बरौली गांव में आयोजित कार्यक्रम से घर लौट रहे थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरि किशन ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 11 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक की मौत जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत पर रविवार को दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की। मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स अकाउंट पर कहा, राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें मासूम बच्चों सहित जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमओ ने कहा कि राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है। पीएमओ ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस घटना के पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की।

पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गयी है। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य नेताओं ने भी घटना पर दुख जताया। शर्मा ने अधिकारियों को घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बागड़े, भजनलाल, बिरला, देवनानी , शेखावत, गहलोत सहित कई नेताओं ने धौलपुर सड़क हादसे में जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने धौलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

बागड़े ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शर्मा ने इस हादसे पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि धौलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है।

बिरला ने कहा कि राजस्थान के धौलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

शेखावत ने कहा कि धौलपुर क्षेत्र में हुई भीषण सड़क दुर्घटना से मन आहत है। उन्होंने ईश्वर से इस अनहोनी में जान गंवाने वाले नागरिकों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

इसी तरह श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि धौलपुर में राज्य मार्ग 11बी पर हुए हृदय विदारक सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है।

परिवहन मंत्री डा बैरवा ने कहा कि धौलपुर राज्य राजमार्ग 11बी पर हुए भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मृत्यु का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रादेशिक परिवहन अधिकारी भरतपुर घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए गए है तथा एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर जिसमें एडीएम, एडीशनल एसपी एवं आरटीओ सदस्य रहेगें उन्हें इस दुर्घटना के विषय में विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश भी दिए गए है।

विदेश दौरे से लौटे भजनलाल, कहा कांग्रेस डायरी-पैन लेकर हिसाब लिख ले, जो वादे किए हैं वह सब पूरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में निवेश को लेकर चल रहे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत मुख्यमंत्री जर्मनी और लंदन के दौरे से जयपुर लौट आए हैं। जयपुर आने पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने पहले उनका एयरपोर्ट पर और उसके बाद एयरपोर्ट से पार्टी कार्यालय तक भव्य स्वागत किया। पार्टी कार्यालय में उनके स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ । जिसमें कई विधायक, सांसद और सरकार के मंत्री भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चुनाव के वक्त भारतीय जनता पार्टी ने संकल्प पत्र जारी किया था। जिसके सभी वादे सरकार पूरा करेगी। मैं इसका सभी को भरोसा दिलाता हूं ,कहा कि कांग्रेस डायरी पेन लेकर हिसाब लिख ले, जनता की हर वायदे और भरोसे पर सरकार काम करेगी । सरकार बनते ही राजस्थान की पहली जरूरत पानी को लेकर काम शुरू किया और ईआरसीपी का एमओयू हुआ।

अब इसकी डीपीआर बनकर तैयार है। जल्दी ही इसका उद्घाटन होने वाला है। शेखावाटी में बरसों से इंतजार कर रहे हैं लोगों को यमुना समझौता कर पानी लाने का काम शुरू किया गया है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि उन्होंने हरियाणा को पत्र लिखा लेकिन एक भी पत्र कांग्रेस के नेताओं ने सरकार में रहते नहीं लिखा।

बल्कि हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो पानी राजस्थान को नहीं देंगे। इससे उनकी भावनाओं का पता चल जाता है। बिजली को लेकर 240000 करोड़ के प्रोजेक्ट लेकर आए हैं । 2027 तक राजस्थान में सभी किसानों को दिन मे पूरी बिजली मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार हुआ है कि कैबिनेट में मंजूरी देकर एक साथ 90,000 भर्ती निकाली गई है। हमने वादा किया है कि 5 साल में 5 लाख सरकारी नौकरियों और 6 लाख 50 हजार प्राइवेट सेक्टर में नौकरियां देंगे। कहां की राइजिंग राजस्थान सरकार बनते ही पहले साल में ही आयोजित किया गया है ताकि 5 साल में जितने भी निवेश आए उनको जमीन पर उतर जा सके। हमारा पूरा प्रयास है कि राजस्थान को पानी, बिजली, रोजगार ,उद्योग, पर्यटन में अग्रिम राज्यों में लाया जाए और विकसित राजस्थान के सपने को पूरा किया जा सके मुख्यमंत्री ने जर्मनी और लंदन में हुए निवेशों के बारे में भी जानकारी दी।

मंत्री मदन दिलावर धार्मिक फैलाने के मामले में बरी

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर को धार्मिक नफरत फैलाने और सांप्रदायिक शांति भंग करने के छह साल पुराने मामले में शनिवार को यहां की एक अदालत ने बरी कर दिया। मंत्री के वकील विशाल जैन ने बताया कि दिलावर और 'डीजे मालिक' ओम प्रकाश के खिलाफ भारतीय दंड सहिंता की धारा 153 (ए) (1) (बी) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उससे पहले रामगंजमंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नवंबर 2018 में नामांकन के दिन उनकी रैली के दौरान बजाए गए एक गाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं। वकील ने बताया कि रामगंजमंडी में स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने दिलावर और अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। फैसला सुनाए जाने के समय अदालत में मौजूद रहे भाजपा नेता दिलावर ने बाद में संवाददाताओं से कहा, मैंने कोई अपराध नहीं किया था। मैं अदालती दस्तावेजों के आधार पर ही आगे की जानकारी दे पाऊंगा, फिलहाल मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि अदालत ने मुझे बरी कर दिया है।

रेजिडेंट डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन, कहा- हमारी मांगों पर सरकार नहीं दे रही ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में रेजिडेंट डॉक्टर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो टूक कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा। डॉक्टरों ने आक्रोश जताते हुए कहा, हम पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन, सरकार ने अब तक हमारी किसी भी मांग पर विचार नहीं किया है। सवाल यह है कि सरकार कब तक खामोश रहेगी? अब हमारे सब्र का बांध टूट रहा है। बीते दिनों सरकार ने हमें वार्ता के लिए बुलाया था। तब हमारी कई मुद्दों पर सरकार से बातचीत हुई थी। हमें हमारी मांगों को पूरा करने का आश्वासन भी दिया गया था। लेकिन, अफसोस यह आश्वासन महज आश्वासन ही रह गया। इसे लेकर अब तक धरातल पर किसी भी प्रकार का कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा, हम सब जानते हैं कि कैसे पश्चिम बंगाल में आर.जी. कर प्रकरण ने डॉक्टरों की सुरक्षा व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी थी। देश भर में इसे लेकर डॉक्टरों के बीच आक्रोश देखा गया। लेकिन, मौजूदा व्यवस्था को देखकर ऐसा लगता है कि सरकार इसे लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। अगर होती तो अब तक कोई न कोई कदम जरूर उठाती।

मथुरा दास माथुर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र चारण ने कहा, दो महीने पहले कोलकाता की घटना प्रकाश में आने के बाद प्रदेश के सभी डॉक्टरों ने व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन किया था, ताकि कोलकाता जैसी घटना राजस्थान में न हो। इसके बाद हमने सरकार के साथ इस संबंध में समझौता किया था। सरकार ने हमें आश्वस्त किया था कि रेजिडेंट डॉक्टरों की सुरक्षा के संबंध में कड़े कदम उठाए जाएंगे। लेकिन, अफसोस यह धरातल पर लागू होता नजर नहीं आ रहा है, जिसे लेकर हम जैसे डॉक्टरों में रोष है।

रेजिडेंट डॉक्टर दिव्या ने कहा, हमने सरकार से सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग की थी और बुनियादी सुरक्षाओं की मांग की थी। लेकिन, अभी तक हमारी मांगों पर विचार नहीं किया गया। यह सभी काम महज फाइलों में ही नजर आ रहे हैं, जिसे देखते हुए हमने अपने विरोध-प्रदर्शन को व्यापक रूप से देने का मन बनाया है। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा समय में कई प्रकार की बीमारियां भी चल रही हैं। अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में हम हड़ताल पर हैं। मरीजों को भी समस्याएं हो रही हैं। लेकिन, सरकार इस दिशा में कोई भी ध्यान नहीं दे रही है। सरकार को लग रहा है कि ये मांगें बिल्कुल बेकार हैं। इन मांगों का कोई औचित्य नहीं बनता है। हम खुद हड़ताल खत्म करना चाहते हैं। लेकिन, सरकार इस दिशा में कोई भी कदम उठाती नजर नहीं आ रही है।

मैं नहीं, खींवसर की जनता लड़ रही है चुनाव: रेवंतराम डांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खींवसर। नागौर की खींवसर विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने रेवंतराम डांगा को प्रत्याशी के रूप में चुना है। टिकट मिलते ही डांगा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि मैं नहीं, खींवसर की जनता चुनाव लड़ रही है। उन्होंने इस चुनाव को खींवसर के लोगों की लड़ाई बताया और खुद को जनता का प्रत्याशी घोषित किया।

जानकारी के मुताबिक, रेवंतराम डांगा टिकट की घोषणा के बाद देर रात खरनाल पहुंचे और लोकदेवता तेजाजी महाराज के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अगले दिन जयपुर रवाना होने से पहले उन्होंने दोबारा मंदिर में पूजा की और फिर समर्थकों के साथ नागौर के नाथूराम मिर्धा स्मारक पहुंचे। उन्होंने वहां नाथूराम मिर्धा की प्रतिमा पर माला अर्पित की, जिनकी आज जयंती है।

खींवसर सीट पर इस बार का मुकाबला भी बेहद कड़ा होने की उम्मीद है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी रेवंतराम डांगा ने आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था और पार्टी ने उन्हें टिकट दिया था। उस चुनाव में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल मात्र 2,059 वोटों से जीत पाए थे। अब बीजेपी ने फिर से डांगा पर भरोसा जताया है।

खींवसर सीट पर आरएलपी का दबदबा रहा है। 2019 के उपचुनाव में हनुमान बेनीवाल के भाई नारायण बेनीवाल ने कांग्रेस को हराकर यह सीट 4,630 वोटों से जीती थी। इससे पहले 2018 के विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के सवाई सिंह चौधरी को 16,948 वोटों से हराया था। बेनीवाल पहले बीजेपी से और फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव जीत चुके हैं। हालांकि, हालात अब बदल रहे हैं। 2019 के बाद बीजेपी ने खींवसर में अपनी जड़ें मजबूत की हैं। पार्टी ने ज्योति मिर्धा जैसे बड़े कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में लाकर आरएलपी के कई नेताओं को भी जोड़ लिया है। पिछले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरएलपी के कई नेता बीजेपी में शामिल हुए, जिनमें रेवंतराम डांगा भी थे। बीजेपी के इस कदम ने पार्टी को तीसरे स्थान से उठाकर खासी मजबूती दी, जिससे हनुमान बेनीवाल मुश्किल से चुनाव जीत पाए।

रेवंतराम डांगा को इस चुनाव में ज्योति मिर्धा का भी समर्थन मिल रहा है। मिर्धा ने बीजेपी के संगठन को खींवसर में मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। स्थानीय संगठन अब पूरी तरह से डांगा के साथ जुट गया है। उनकी जमीनी पकड़ और स्थानीय समर्थन से बीजेपी इस बार खींवसर सीट पर बड़ी जीत की उम्मीद कर रही है।

इंडिगो की पुणे-जोधपुर फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में रविवार को इंडिगो की पुणे से जोधपुर आ रही फ्लाइट 6ई133 को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद यहां हवाई अड्डे पर पहुंचकर पुलिस टीम ने फ्लाइट के लैंड करने के बाद विमान की पूरी जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फ्लाइट 6ई133 को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सीआईएसएफ, पुलिस, दमकल, डॉग स्कॉड और पुलिस की टीमों के साथ तमाम एजेंसी मौके पर पहुंची और विमान की गहन जांच की गई। जोधपुर

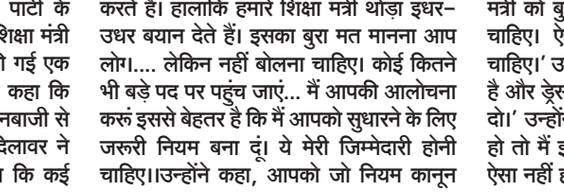

पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि दोपहर बाद 1.30 बजे करीब सूचना मिली कि पुणे से जोधपुर आ रही फ्लाइट में बम हो सकता है। सभी सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय करके यहां लाया गया। जांच के बाद सभी यात्रियों को जाने दिया गया है।

उन्होंने बताया कि धमकी के बाद जांच के दौरान पूरे एयरक्राफ्ट की स्कैनिंग की गई, लेकिन अब तक कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है। सीआईएसएफ और राजस्थान पुलिस के बम डिस्पोजल यूनिट ने जांच पूरी कर ली है। बाकी की कार्रवाई पूरी कर आगे रिपोर्ट भेजने के बाद विमान को रवाना किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित फ्लाइटों को बम से उड़ाने की कई झूठी धमकियां मिल चुकी हैं। शनिवार को भी विभिन्न एयरलाइनों द्वारा संचालित उड़ानों में बम होने की 30 से अधिक सूचनाएं मिली थीं जो जांच के बाद फर्जी पाई गईं। लगातार मिल रही इन धमकियों से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। छह दिन के भीतर 70 फ्लाइटों में बम की धमकियां मिली हैं।

शनिवार को 'नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो' (बीसीएएस) ने विमान सेवा कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक की थी। राजीव गांधी भवन में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान, बीसीएएस के अधिकारियों ने सीईओ को बम की धमकियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करने का निर्देश दिया था।

शिक्षक की पिटाई से छात्रा के हाथ में हुआ फ्रैक्चर, प्राथमिकी दर्ज

कोटा। राजस्थान में कोटा के एक सरकारी स्कूल में शिक्षक द्वारा कथित तौर पर छड़ी से पिटाई किए जाने से कक्षा पांच की एक छात्रा के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को मोड़क थानाक्षेत्र के तेलिया खेड़ी स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई इस घटना के संबंध में शिक्षक अब्दुल अजीज के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा विभाग ने भी शिक्षक खिलाफ एक जांच शुरू कर दी है। मामला तब प्रकाश में आया जब असकली ग्राम पंचायत के सरपंच आबिद खान ने शनिवार शाम को अपने निर्वाचन क्षेत्र रामगंज मंडी के जुल्मी गांव में शनिवार शाम को आयोजित एक जन शिकायत निवारण शिविर के दौरान राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर को इस बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खान बच्ची को शिविर में ले आये और उसने पूरी घटना बतायी। बच्ची के अनुसार, उसके क्लास टीचर अजीज ने उसे चटाई बिछाने के लिए कहा। उसने दावा किया कि उसने अजीज के निर्देशों का पालन किया, लेकिन वह भड़क गए और उस पर आरोप लगाया कि वह उसकी बात नहीं सुन रही है।

भाजपा विधायक धाकड़ ने शिक्षा मंत्री के बयान की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बेगूं विधानसभा क्षेत्र से राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुरेश धाकड़ ने शनिवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की शिक्षकों के संबंध की गई एक विवादास्पद टिप्पणी की निंदा की और कहा कि मुख्यमंत्री को मंत्री को इस तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह देनी चाहिए। मदन दिलावर ने बुधवार को नीम का थाना में कहा था कि कई शिक्षक अपना पूरा शरीर दिखाकर स्कूल में जाते हैं तो हमारे बच्चों और बच्चियों पर अच्छा संस्कार नहीं होता यानी कुसंस्कार बढता है।'' सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक धाकड़ ने चित्तौड़गढ़ के स्कूल में आयोजित समारोह में कहा, शिक्षक बहुत मेहनत करते हैं। हालांकि हमारे शिक्षा मंत्री थोड़ा इधर-उधर बयान देते हैं। इसका बुरा मत मानना आप लोग।.... लेकिन नहीं बोलना चाहिए। कोई कितने भी बड़े पद पर पहुंच जाएं... मैं आपकी आलोचना करूं इससे बेहतर है कि मैं आपको सुधारने के लिए जरूरी नियम बना दूं। ये मेरी जिम्मेदारी होनी चाहिए।।उन्होंने कहा, आपको जो नियम कानून लागू करना है... कर दो। बोल बोल कर हतोत्साहित मत करो। अनर्गल बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। ऊपर तक मैसेज ठीक नहीं जाता है। लोग हमें टोकते हैं कि आपके शिक्षा मंत्री कैसे बयान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री जी से भी आग्रह करूंगा कि शिक्षा मंत्री को बुलाकर सलाह दें कि ऐसा नहीं बोलना चाहिए। ऐसे शिक्षकों का अपमान नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगर आपको सुधार करना है और ड्रेस लागू करना है तो एक आदेश निकाल दो।' उन्होंने कहा, 'केवल आप बयानबाजी करते हो तो मैं इस बयान की सरेआम निंदा करता हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

हमारी पार्टी शब्दों की बाजीगरी नहीं, काम आधारित राजनीति के लिए प्रतिबद्ध : विजय

चेन्नई। नवगठित राजनीतिक दल तमिला वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष अभिनेता विजय ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी शब्दों की बाजीगरी के लिए नहीं बल्कि काम आधारित राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है।

तमिलनाडु में विल्लुपुरम जिले के विक्रवंडी में 27 अक्टूबर को होने वाले टीवीके के प्रथम प्रदेश सम्मेलन से पहले पदाधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को पत्र लिखते हुए विजय ने उनसे 'कदामि, कन्नियम, कट्टुप्पाडु' यानी कर्तव्य, गरिमा और अनुशासन' के सिद्धांत का पालन करने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि 'कर्तव्य, गरिमा और अनुशासन' एक प्रसिद्ध सिद्धांत है जिसे द्रमुक संस्थापक और द्रविड़ नेता सी एन अन्नादुरई अक्सर उद्धृत करते थे। विजय ने कहा कि सफलता और विफलता ही राजनीति के एकमात्र मापदंड नहीं हैं बल्कि यह विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। विजय ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा, शब्दों की बाजीगरी करना हमारा काम नहीं है। जहां तक हमारा सवाल है, हमारी राजनीतिक मातृभाषा कार्य/ कार्रवाई की भाषा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे लोगों के बीच यह मजबूत छाप छोड़ेंगे कि टीवीके कार्यकर्ता राजनीति में गहरी समझ रखते हैं, जिसमें प्रथम प्रदेश सम्मेलन के लिए उनका कार्य भी शामिल है। लोकप्रिय तमिल अभिनेता विजय ने इस साल फरवरी में अपनी पार्टी के गठन का एलान किया था और सितंबर में उन्होंने घोषणा की थी कि निर्वाचन आयोग ने उनकी पार्टी को विधिवत पंजीकृत कर दिया है। उन्होंने विश्वास जताया था कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगी।

वायनाड निर्वाचन क्षेत्र गांधी परिवार के लिए सिर्फ विकल्प है : हरिदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार नाव्या हरिदास ने रविवार को कहा कि गांधी परिवार इस निर्वाचन क्षेत्र को महज एक विकल्प या दूसरी सीट के रूप में देख रहा है और इस क्षेत्र के लोगों को अब यह बात समझ आ गई है। कोझिकोड निगम में दो बार पार्षद रहीं हरिदास ने कहा कि वायनाड के मतदाता एक ऐसा नेता चाहते हैं जो उनके लिए खड़ा हो और उनकी समस्याओं का समाधान करे। कोझिकोड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हरिदास ने कहा कि जहां तक पूरे देश का सवाल है, तो प्रियंका गांधी वाद्रा कोई नया चेहरा नहीं हैं, लेकिन वायनाड के लिए वह नई हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''प्रियंका गांधी परिवार के प्रतिनिधि के रूप में आ रही हैं, जो संसद में वायनाड के मुद्दों को उठाने में विफल रहा है।''

उन्होंने कहा कि वायनाड के लोगों ने इस विश्वास के साथ राहुल गांधी को जनादेश दिया था कि वह अगले पांच साल तक उनके साथ रहेंगे, लेकिन जब उन्हें रायबरेली को अपने पास रखने का मौका मिला तो गांधी परिवार के वारिस ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि वायनाड के लोगों को अब यह एहसास हो गया है कि इस निर्वाचन क्षेत्र को गांधी परिवार सिर्फ एक दूसरी सीट या विकल्प के रूप में देखता है।

हरिदास ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी काफी आश्चर्यजनक है और उन्होंने विश्वास जताया कि 13 नवंबर को होने वाले चुनाव के दौरान वायनाड में पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ेगा। भाजपा ने विभिन्न राज्यों में आगामी उपचुनाव के लिए शनिवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें पार्टी की युवा महिला नेता हरिदास को इस महत्वपूर्ण सीट के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया।

दिग्गज वामपंथी नेता वी एस अच्युतानंदन 101 वर्ष के हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। दिग्गज वामपंथी नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी एस अच्युतानंदन रविवार को 101 वर्ष के हो गए। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की राज्य इकाई के सचिव एम वी गोविंदन सहित नेताओं ने सोशल मीडिया पर अच्युतानंदन की तस्वीरें साझा करके उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। गोविंदन और मंत्री वी शिवनकुट्टी तथा जी आर अनिल सहित कई नेताओं ने अच्युतानंदन से उनके आवास पर मुलाकात की। उनके बेटे वी ए अरुण कुमार ने बताया कि हर जन्मदिन पर परिवार पायसम (एक पारंपरिक मिठाई) बनाता है।

उन्होंने बताया कि इस बार भी पायसम बनाया गया और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में केक काटा गया। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा किसी अन्य समारोह का आयोजन नहीं किया गया। अच्युतानंदन का जन्म 20 अक्टूबर 1923 को अलप्पुझा जिले के पुन्नपरा में एक मजदूर परिवार में हुआ और उन्होंने सातवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की। अच्युतानंदन ने वर्ष 2006 में मलमपुझा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और केरल के 20वें मुख्यमंत्री बने थे।

कोयंबटूर में तेंदुए के हमले में बच्ची की मौत, वन विभाग ने पकड़ने के लिए अभियान तेज किया

चेन्नई। तमिलनाडु वन विभाग ने कोयंबटूर जिले के वलपराई कस्बे में एक छह साल की लड़की पर हमला करके मारने वाले तेंदुए को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को अबसार खातून माता-पिता और कई अन्य बच्चों के साथ ओसिमालाई चाय बागान (एस्टेट) के पास थी। इस दौरान अचानक पास के जंगल से एक तेंदुआ आया और उसे खींचकर ले गया।

माता-पिता की चीख-पुकार सुनकर मदद के लिए निवासी आ गए। उन्होंने पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और तेंदुए को भगाने में सफल रहे, लेकिन बच्ची तब तक गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। बच्ची को वलपराई सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची मूल रूप से झारखंड के प्रवासी मजदूर की बेटी थी। अबसार खातून का परिवार ओसिमालाई चाय बागान में मजदूरी के तौर पर एस्टेट के श्रमिक क्वार्टर में रह रहा था। वन अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ओसिमालाई एस्टेट के आसपास छह जगहों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। माना जा रहा है तेंदुआ अभी भी क्षेत्र में मौजूद है। रिपोर्ट के अनुसार, दो हफ्ते पहले ओसिमालाई एस्टेट के पास एक तेंदुए ने एक गाय को मार डाला था। उस समय खोजबीन के बावजूद जानवर का पता नहीं चल सका था। एहतियात के तौर पर वन विभाग ने एस्टेट के आसपास की घनी झाड़ियों को साफ करना शुरू कर दिया है, क्योंकि तेंदुए ऐसे इलाकों में शरण लेने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि जनवरी 2024 में, तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में एक तेंदुए ने तीन साल की बच्ची और एक महिला सहित दो लोगों को मार डाला था, जबकि तेंदुए के हमले में चार अन्य को घायल हो गए थे। हालांकि, वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद तेंदुए को पकड़ लिया था।

माकपा ने नवीन बाबू के परिवार को पूर्ण समर्थन की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा (केरल)/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने रविवार को अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) नवीन बाबू के परिवार से मुलाकात की, जिनके द्वारा हाल में आत्महत्या किए जाने से राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। गोविंदन ने इस दौरान बाबू की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई के सिलसिले में पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन की पेशकश की। बाबू की मौत के बाद पार्टी ने माकपा की महिला नेता पी. पी. दिव्या को कन्नूर जिला पंचायत के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। दिव्या ने बाबू के विदाई समारोह में उनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

मलयालप्पुषा में स्थित पूर्व एडीएम के आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए गोविंदन ने कहा कि परिवार ने कानूनी सुरक्षा और बाबू की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग की। कन्नूर और पथानामथिट्टा जिला समितियों में दिव्या के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई को लेकर मतभेद की खबरों के बीच उन्होंने बाबू के परिवार से मुलाकात की है। दिव्या विदाई समारोह में अपनी कथित टिप्पणियों के लिए विभिन्न वर्गों की ओर से आलोचना का सामना कर रही हैं। माना जाता है कि इन्हीं टिप्पणियों के कारण बाबू ने आत्महत्या की थी। पिछले सोमवार को बिना बुलाए बाबू के विदाई समारोह में शामिल होकर दिव्या ने चेंगलाई में पेट्रोल पंप की मंजूरी में कई महीनों तक देरी करने के लिए बाबू की आलोचना की थी। दिव्या ने कहा था कि बाबू ने तबादले के दो दिन बाद ही मंजूरी दे दी। दिव्या ने संकेत दिया था कि उन्हें अचानक मंजूरी दिए जाने के कारणों का पता है। अधिकारी की मौत का पता उस समय चला जब उनकी पत्नी और बच्चे मंगलवार सुबह बाबू को लेने के लिए चेंगन्नूर रेलवे स्टेशन गए। बाबू को उसी दिन पथानामथिट्टा के एडीएम के रूप में कार्यभार संभालना था।

जब वह ट्रेन में नहीं मिले, तो परिवार ने उनके मोबाइल फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद उन्होंने कन्नूर में उनके सहकर्मियों से संपर्क किया और खोजबीन के दौरान बाबू का शव उनके क्वार्टर में फंदे से लटका हुआ मिला।

धुल की शतकीय पारी के बावजूद तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली का संघर्ष जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। यश धुल के जुझारू नाबाद शतक के बावजूद दिल्ली की टीम रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 264 रन बनाकर संघर्ष कर रही है। दिल्ली पहली पारी में अब भी तमिलनाडु से 410 रन पीछे है और उसके सिर्फ दो विकेट बचे है।

तमिलनाडु के छह विकेट पर 674 रन के जवाब में दिल्ली ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 43 रन से किया। एक छोर से विकेटों के पतन के बीच धुल 189 गेंद में 103 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। धुल के अलावा विकेटकीपर प्रणव राजवंशी ने 40 रन बनाए जबकि सनत सांगवान (36) और हर्ष त्यागी (35) ने पहले विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी की।

तमिलनाडु के लिए मध्यम तेज गेंदबाज एम मोहम्मद (30 रन पर दो विकेट), वाशिंगटन सुंदर (42 रन पर दो विकेट) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजापनीत सिंह (48 रन पर दो विकेट) ने मिलकर छह विकेट लिए। गुवाहाटी में असम के 266 रन के जवाब में, चंडीगढ़ की पारी 374 रन पर सिमटी। चंडीगढ़ ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 301 रन से की थी। टीम के लिए राज बावा ने 146 रन बनाए, जबकि कप्तान मनन वोहरा और मयंक सिद्धू ने क्रमश: 59 और 57 रन बनाए। असम के लिए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन ने 61 रन देकर तीन विकेट लिए। दूसरी पारी में असम के बड़े अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और टीम ने 144 रन पर सात विकेट गंवा दिये हैं।

भारतीय टीम से बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा (75) और अनुभवी शेल्डन जैक्सन (नाबाद 57) के बीच तीसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी के दम पर राजकोट में सौराष्ट्र ने छत्तीसगढ़ के सात विकेट पर 578 रन के जवाब में दो विकेट पर 177 रन बना लिये।

प्रदर्शन

बेंगलूरु में रविवार को कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में लद्दाख बचाओ हिमालय बचाओ के नारे वाली तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

मुझ पर चन्नपटना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का दबाव : कांग्रेस नेता डीके सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने रविवार को कहा कि उन पर 13 नवंबर को चन्नपटना सीट पर होने वाले उपचुनाव में लड़ने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का दबाव है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई सुरेश ने कहा कि वह और क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता तथा नेता पार्टी के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, हमने प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में चन्नपटना तालुक के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की है तथा हमने उनकी राय ली है। उन सभी ने कहा है कि वे पार्टी के फैसले का पालन करेंगे। मुझ पर भी चुनाव लड़ने का दबाव है। सुरेश ने कहा कि वह पार्टी आलाकमान और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के फैसले का पालन करेंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस आलाकमान उन्हें उम्मीदवार के रूप में सुझाएगा, तो उन्होंने कहा, मैं पार्टी का एक अनुशासित सिपाही हूं। मैं अपने नैतिक मुद्दों को पार्टी नेताओं के ध्यान में लाऊंगा। मैं ऐसा इरादा रखने वालों में से नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मैं सत्ता के लिए चुनाव में नहीं खड़ा हूं और पार्टी नेताओं से इस पर चर्चा करूंगा। अगर मुझे आज या सोमवार को मुख्यमंत्री या कांग्रेस अध्यक्ष मिलते हैं, तो मैं चन्नपट्टना उम्मीदवार पर चर्चा करूंगा। हमारे कार्यकर्ता चुनाव के लिए तैयार हैं। हमारे पास शुक्रवार तक का समय है। हमारे पास अपने फैसले की घोषणा करने के लिए पांच दिन और हैं। बीजेपी और जेडीएस को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करनी चाहिए। तब तक इंतजार करें। हम जमीनी स्तर से पार्टी बनाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बीजेपी ने संदूर और शिग्गावी में उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। मुझे लगता है कि मैत्री धर्म के अनुसार चन्नपट्टना को जेडीएस के लिए छोड़ दिया गया होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या कुमारस्वामी निखिल को मैदान में उतारने से हिचकिचा रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हमें उनसे उनकी पार्टी का फैसला पूछना चाहिए।

कुमारस्वामी एक सुबह एक बात बोलते हैं और एक शाम को एक बात बोलते हैं। लोग उनकी बातों को मनोरंजन समझते हैं। कुमारस्वामी की बातें कभी गंभीर नहीं होती हैं।

कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा से मिलते हुए भरत बोम्मई।

बीएस येडीयुरप्पा से आशीर्वाद लेते हुए भरत बोम्मई। इस मौके पर पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी उपस्थित थे।

मेरे पिता के विकास कार्यों को देखकर मुझे विश्वास है कि लोग मुझे आशीर्वाद देंगे : भरत बोम्मई

बेंगलूरु। शिग्गांव-सावनूर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई ने शिगगांव-सावनूर निर्वाचन क्षेत्र के लिए उन्हें उम्मीदवार के रूप में चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य प्रभारी राधामोहन अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। यहां जल्द ही कर्नाटक के दो अन्य विधानसभा क्षेत्रों के साथ चुनाव होने वाले हैं। रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने केंद्रीय नेताओं को उन पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद दिया और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी सहित राज्य के नेताओं के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

भरत ने कहा, मैं इस अवसर का श्रेय मुख्य रूप से अपने माता-पिता के आशीर्वाद को देता हूं। हमारे पार्टी नेताओं ने मेरे पिता द्वारा शिग्गांव-सावनूर में विधायक के रूप में चार कार्यकालों के दौरान किए गए विकास कार्यों को मान्यता दी है और लोगों की अपेक्षाओं के अनुसार मुझे यह टिकट दिया है। मैं अपने पिता द्वारा शुरू किए गए सभी विकास कार्यों को जारी रखूंगा और हमेशा शिगगांव-सावनूर के लोगों के साथ उनके सुख-दुख में खड़ा रहूंगा। भरत से जब पूछा गया कि उन्हें किस आधार पर टिकट दिया गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने टिकट नहीं मांगा। वरिष्ठ नेताओं ने अपने हिसाब से फैसला किया है और वह उस फैसले पर प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2018 से ही वह अपने पिता की ओर से चुनाव में काम कर रहे हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में वह उनके लिए घर-घर जाकर प्रचार करेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पूरे निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और उनके लिए काम किया। उन्होंने शिगगांव-सावनूर के सभी लोगों से संपर्क बनाए रखा है और जब उनके पिता मंत्री और फिर मुख्यमंत्री थे। मैंने अपनी क्षमता के अनुसार जो भी काम करना चाहिए वह किया है।

गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी को पार्टी का कोइ पद नहीं : शिंदे नीत शिवसेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 2017 में पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी श्रीकांत पांगारकर को जालना जिले में कोई पद देने पर रोक लगा दी है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले पांगारकर शुक्रवार को पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर की उपस्थिति में शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हुए थे। खोतकर ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा था, पांगारकर पूर्व शिवसैनिक हैं और पार्टी में वापस आ गए हैं। उन्हें जालना विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान का प्रमुख नामित किया गया है।

शिवसेना ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि पांगारकर को जालना जिले में पार्टी का कोई पद देने पर अब तक फैसला नहीं किया गया है। गौरी लंकेश की पांच सितंबर 2017 को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित उनके आवास के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महाराष्ट्र की एजेंसियों की सहायता से कर्नाटक पुलिस ने पूरे प्रकरण की जांच की थी और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पांगारकर 2001 से 2006 तक जालना नगरपालिका के पार्षद रहे। उन्हें अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया गया था और इस साल चार सितंबर को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दी थी। अविभाजित शिवसेना द्वारा 2011 में टिकट नहीं दिए जाने पर पांगारकर दक्षिणपंथी हिंदू जनजागृति समिति में शामिल हो गये थे। खोतकर कहा था कि वह जालना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन महायुति (सत्तारूढ़ गठबंधन जिसमें शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं) में सीट बंटवारे पर चर्चा चल रही है।

बेलगावी हवाई अड्डे को बम की धमकी झूठी निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। पुलिस ने कहा है कि यहां साम्ब्रा स्थित बेलगावी हवाई अड्डे को ईमेल के जरिये मिली बम की धमकी झूठी साबित हुई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हवाई अड्डे के निदेशक एस. त्यागराजन को एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें बम की धमकी दी गई थी। बेलगावी के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहन जगदीश ने कहा, बेलगावी हवाई अड्डे को बम की झूठी धमकी वाला एक ईमेल मेल प्राप्त हुआ था।

इस संबंध में मैरियल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे के अंदर और बाहर जांच की गई। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। धमकी झूठी है। भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईमेल प्राप्त होने के बाद, हवाई अड्डे पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों, श्वान दस्तों और बम निरोधक दस्तों को तैनात किया गया, जिन्होंने गहन तलाशी ली।

सवारी डिब्बा कारखाना चेन्नै- 600038

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in में लॉगिन करें और निविदा के खिलाफ बोली लगाएं। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा संख्या	आइटासीं;म का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य	निविदा की तिथि अंतिम तिथि और समय
2024476211557	एलएचबी डिसीं;वीजन, आईसीएफ में "बल्यिू" सीएनसी लेजर कटिंग और वेल्डिंग मशीन के रेट्रो-फिटमेंट और सीएमसी के लिए कार्य अनुबंध	Rs.3,32,13,782/-	01.11.2024 @ 15.00 hrs

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता / प्लांट

सुविचार

मनुष्य को जीवन में प्रयास करते रहना चाहिए, भले पहली बार में सफलता हाथ न लगे परंतु ऐसा नहीं है कि सफलता मिलेगी ही नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल मंच और राष्ट्रीय सुरक्षा

पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके इशारों पर चलने वाले आतंकी संगठनों द्वारा डिजिटल मंचों का इस्तेमाल कर जम्मू-कश्मीर में युवाओं को बरगलाने की कोशिश चिंता का विषय है। हालांकि इससे यह भी पता चलता है कि हमारे सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण अब आईएसआई दहशत के परंपरागत तौर-तरीकों को अपनाने में नाकाम हो रही है। जो आतंकवादी एलओसी पर आते हैं, भारतीय सैनिक उन्हें वहीं से परलोक भेज देते हैं। पिछले एक दशक में ही सैकड़ों आतंकवादियों का यही हश्र हुआ है, जिससे आईएसआई का काफी 'निवेश' डूब गया। पाकिस्तान जिस तरह आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है, उसमें आतंकवादी तैयार करना और उसे पालना बहुत महंगा सौदा हो गया है। इस पर भी जब कोई आतंकवादी एलओसी तक पहुंचते ही ढेर कर दिया जाए तो उसके आकाओं का फिक्रमंद होना स्वाभाविक है। अब उन्हें ऑनलाइन मंचों ने ऐसा माध्यम दे दिया, जिससे उनका काम आसान हो गया है। वे इसके जरिए युवाओं के मन में नफरत का जहर घोल रहे हैं। पहले, ऐसे कामों के लिए युवाओं को पीओके स्थित किसी आतंकवादी कैंप में ठहराया जाता था। वहां उन्हें नफरत भरे भाषण सुनाए जाते, उनके मन में कट्टरपंथी सोच भरी जाती थी। अब यही काम कुछ खास ऑनलाइन ऐप्स के जरिए किया जा सकता है। दहशत के इस खूनी खेल को परवान चढ़ाने के लिए आईएसआई पाकिस्तानी फौज की मीडिया शाखा आईएसपीआर का इस्तेमाल करती है। वह समय-समय पर ऐसी खुराफातें ढूंढ़कर लाती है, जिससे सूचनाओं में हेराफेरी कर भारत को नुकसान पहुंचाया जाए। इस काम में उसे तकनीकी मदद चीन से मिलती है। इसके अलावा तुर्की में विकसित कुछ ऐप्स पर आरोप लग चुके हैं कि वे कट्टरपंथियों और आतंकवादियों के लिए मददगार साबित हो रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ऐसे कई ऑनलाइन समूह हैं, जिनमें असत्य, भ्रामक और आधी-अधूरी जानकारी पेश कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। उनसे संबंधित पोस्ट्स बहुत तेजी से वायरल होती हैं। निश्चित रूप से उनके पीछे एक ऐसा तंत्र होता है, जो उन्हें साजिशन तेजी से शेयर करता है। उनमें यह दुष्प्रचार किया जाता है कि 'भारत में अल्पसंख्यकों को उनकी धार्मिक परंपराओं का पालन करने की अनुमति नहीं दी जाती है ... वहां सरकार बहुत भेदभाव करती है ... सिर्फ एक समुदाय की पूजन पद्धति और त्योहारों को मान्यता दी गई है।' पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब, जो मुंबई पर 26/11 हमलों में शामिल था, को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अदालती सुनवाई के लिए लेकर जा रही थी तो उसे तब बहुत हैरत हुई, जब एक मस्जिद से अज़ान सुनाई दी। कसाब को तो उसके आकाओं ने यह 'बताया' था कि भारत में अल्पसंख्यकों की धार्मिक गतिविधियों पर पूरी तरह से पाबंदी है। उसे एक और झटका तब लगा, जब यह पता चला कि भारत में सभी समुदायों के लोग त्योहार मिल-जुलकर मनाते हैं और उस दिन सार्वजनिक अवकाश भी होता है। आईएसआई के दुष्प्रचार का पाकिस्तान के नागरिकों पर भी इतना असर हो चुका है कि वहां ज्यादातर लोग भारी भ्रम में फंसे हैं। उन्हें आज भी यही लगता है कि भारत में अल्पसंख्यकों को समान अधिकार नहीं दिए जाते। ज्यादातर पाकिस्तानी इस बात पर विश्वास करते हैं कि पाकिस्तान पर भारत ने हमला किया था और हर जंग में उनका देश जीता था! ये बातें उन्हें स्कूल-कॉलेज के पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं। सोशल मीडिया का विस्तार होने पर कई पाकिस्तानियों को यह जानकर धक्का लगा कि पहला हमला पाकिस्तान ने किया था और हर जंग में उनका देश बुरी तरह हारा था। खासकर 16 दिसंबर, 1971 को ले. जनरल एएके नियाजी द्वारा भारतीय सेना के आगे किए गए आत्मसमर्पण की तस्वीर देखकर तो उन्हें अपनी आंखों पर भरोसा ही नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने तो बचपन से यही सुना था कि पाक फौज अजेय है! इन घटनाओं से यह निष्कर्ष भी निकलता है कि सोशल मीडिया को सच्चाई के प्रचार-प्रसार का मंच बनाया जा सकता है। आईएसआई के नफरती दांव को तो हमारी एजेंसियां विफल कर ही देंगी। इसके अलावा भारत में (पाकिस्तान की जनता को ध्यान में रखते हुए) उर्दू में ऐसी सामग्री तैयार होनी चाहिए, जिसमें हमारे देश की विविधतापूर्ण संस्कृति और सद्भाव को दिखाया जाए। कई पाकिस्तानियों ने यह स्वीकार किया है कि वे कुछ साल पहले तक अत्यंत संकीर्ण व कट्टरपंथी सोच से ग्रस्त थे, लेकिन भारतीय समाज का सद्भाव देखकर उनमें बदलाव आ गया है।

ट्वीटर टॉक

सरल, सहज व कर्मठ व्यक्तित्व के धनी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, प्रखर वक्ता, राज्यसभा सांसद माननीय डॉ. सुधांशु त्रिवेदी जी को जन्मदिन के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम जी से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना है।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

करवा चौथ की सभी माताओं-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। मैं सभी सुहागिन बहनों व बेटियों के सुखी एवं खुशहाल गृहस्थ की कामना करती हूँ। आज का यह दिन आपके जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाल दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद लेकर आए, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

-वसुंधरा राजे

धौलपुर में राज्य मार्ग पर हुए सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

छोटे प्रयास, बड़ी कामयाबी

एक बार की बात है एक अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति लाओत्से से मिलने आया। उसने लाओत्से से पूछा, 'जीवन में बड़ी चीजें कैसे हासिल की जाती हैं?' लाओत्से ने कहा, 'सभी महान चीजों की शुरुआत छोटे कदमों से होती है। एक पेड़ की शुरुआत एक छोटे बीज से होती है, और एक हजार मील की यात्रा भी एक कदम से शुरू होती है। यदि तुम जीवन में बड़ी चीजें प्राप्त करना चाहते हो, तो छोटे-छोटे कदमों पर ध्यान दो।' लाओत्से के इस जवाब से व्यक्ति समझ गया कि धैर्य और निरंतरता से ही बड़े लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। किसी भी बड़े काम की शुरुआत छोटे प्रयासों से होती है, और हर छोटी प्रगति मायने रखती है।

सामयिक

बहराइच हिंसा के सच को स्वीकारें

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

बहराइच सांप्रदायिक हत्याकांड के आरोपियों के मुठभेड़ पर जिस त्वरित गति से तीखी प्रतिक्रिया आई उसका शतांश भी स्व रामगोपाल मिश्रा की हत्या और उसके साथ हुई बर्बरता पर नहीं देखी गई। यह भारतीय राजनीति, बौद्धिक जगत और एक्टिविज्म की दुनिया की ऐसी ट्रेजेडी है जिसकी समानता इतिहास में ढूंढनी मुश्किल हो जाएगी। पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपियों के पैर में ही गोली लगी। पुलिस के हर मुठभेड़ को झूठ और गैरकानूनी हत्या या गोली मारना बताने वाले नेता व एक्टिविस्ट इतनी भी संवेदनशीलता नहीं बरत पाये कि वे गोपाल मिश्रा के साथ हुई बर्बरता की निंदा करते। समूचे देश में भाजपा विरोधी आम नेताओं, पार्टियों, मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों, नामी मौलानाओं, इमामों, संस्थानों के प्रमुखों सबके बयानों को खंगाल लीजिए, आपको शायद ही कहीं रामगोपाल मिश्रा की हत्या व नृशंसता की आलोचना में एक शब्द मिल जाए। ठीक इसके विपरीत दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और उसमें शामिल लोगों के व्यवहार, डीजे से निकलते गानों आदि की आक्रामक आलोचना और निंदा की भरमार मिलेगी। पूरा इको सिस्टम और नैरेटिव ऐसा बनाया गया मानो प्रतिमा विसर्जन करने निकले लोग ही दोषी हैं, उन्होंने उकसाया, जबरन घर पर चढ़कर हरे झंडे उतारे और उधर से केवल प्रतिक्रिया हुई। जिन लोगों ने आरंभ में चुप्पी साधी वे भी मुठभेड़ के बाद इसी तरह का नैरेटिव लेकर आ गए हैं। यह हतप्रभ करने वाली स्थिति है। टीवी डिबेट में पूछने पर अवश्य बोलेंगे कि हत्या गलत है पर किंतु परंतु लगाते हुए प्रतिमा विसर्जन में शामिल लोगों को ही दोषी साबित करने के लिए सारे तर्क हैं। कोई भी साहस के साथ यह सच बोलने को तैयार नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार हिंदू पर्व-त्योहारों,उत्सवों, दिवसों की शोभायात्राओं या प्रतिमा विसर्जन के लिए चलते जन समूह पर जगह-जगह हमले क्यों बढ़ रहे हैं? दुर्गा प्रतिमा विसर्जनको लेकर ही समाचार पत्रों की रिपोर्ट में ऐसी दो लगभग दो दर्जन घटनाएं आ चुकी है जहां उन पर पत्थरबाजी हुई, पत्थर बरसाए गए, कहीं रोकने की कोशिश हुई तो मार-पिटाई तो कहीं मूर्ति। अजमेर दरगाह के सरफराज चिश्ती ने भड़काऊ बयान देते हुए कह दिया कि न्यूटन की गति के नियमानुसार क्रिया की प्रतिक्रिया होगी। आप उकसाने वाले नारे लगाएंगे, डीजे में वैसे गाने बजाएंगे और घर पर चढ़कर झंडा उतारेंगे तो आप पर फूल नहीं बरसाए जाएंगे।

यह समझ से परे है कि आखिर किसी भी धर्मस्थल या घर के बाहर से दूसरे धर्म की यात्राओं के गुजरने, नारे लगने, गाना बजने, झूमने, नाचने का विरोध या उसके विरुद्ध हिंसा क्यों हो सकती है ? अगर हिंदू धर्मस्थलों के सामने से मुसलमान के जुलूस पर आपत्ति हो और मुसलमान के घरों और धर्मस्थलों से हिंदुओं के जुलूस पर तो इससे बुरी स्थिति नहीं हो सकती।

यह अकेला बयान नहीं है। पूरे प्रकरण का आप मूल्यांकन करें तो निष्कर्ष आएगा कि जिम्मेवार और सम्मानित स्थान पर बैठे मजहबी व्यक्तित्व और नेता ऐसे बयान दे रहे हैं उससे समुदाय के अंदर उग्रता और असहिष्णुता बढ़ने का खतरा है। दुर्भाग्य से भाजपा, नरेंद्र मोदी सरकार, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अन्य राज्यों की भाजपा विरोध में राजनीति करने वाले नेताओं और पार्टियों का स्वर घोषित-अघोषित इनका समर्थन देने वाला है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक बहराइच हिंसा में 58 लोगों को गिरफ्तार किया तथा 10 हिरासत में है, 13 मुकदमे दर्ज किया जा चुके हैं। हत्या के पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और इसी दौरान सरफराज और मोहम्मद तालिब के पैरों में पुलिस की गोली लगी है। हर मुठभेड़ की जांच मजिस्ट्रेट स्तर पर होती है और इसका भी होगा। योगी आदित्यनाथ सरकार के मुठभेड़ों की तुलना पिछली सरकारों से करें तो जांच रिपोर्ट और न्यायालयों के आदेश के अनुसार रिकॉर्ड बेहतर है। सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ का रिकॉर्ड अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी शासन के दौरान 2015 का ही है। किंतु बहराइच हिंसा के मामले में इस पहलू को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बढ़ाकर हमला करने वाले वास्तव में मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। आखिर प्रतिमाओं के विसर्जन का रूट पहले से तय था, वीडियो बता रहे हैं कि घटनास्थल के पास गेट व झंडे लगे थे। साफ है कि यह पुलिस की अनुमति से हुआ था। हर शहर और गांव में बरसों से प्रतिमा विसर्जन के रास्ते निश्चित हैं। इस तरह की घटना होनी नहीं चाहिए।

बहराइच पुलिस प्रशासन की भयानक विफलता बिल्कुल स्पष्ट है। पर्याप्त मात्रा में सतर्क पुलिस बल होता तो घटना को रोका जा सकता था। जितने विवरण सामने आए हैं उनके अनुसार डीजे बजाने को लेकर विवाद किया गया, दूसरे पक्ष ने बंद करने को कहा जबकि स्वाभाविक ही विसर्जन यात्रा के लोगों ने स्वीकार नहीं किया, गाली -गलौज, धक्का- मुक्की हुई, दुर्गा प्रतिमा भी खंडित की गई तथा कुछ भगवे झंडे उतारे गए। रामगोपाल मिश्रा इसी गुस्से में कुछ साथियों के साथ उसघर की छत पर चढ़गया जिसके कारण बाउंड्री का भाग गिरा तथा झंडा उतारने लगा। निश्चित रूप से घर पर झंडा उतारने की प्रतिक्रिया गलत है और अस्वीकार्य है। साफ है कि पुलिस का कारगर हस्तक्षेप होता तो विवाद आगे बढ़ता नहीं। डीजे बजाने को रोकने वाले या प्रतिमा खंडित करने वालों के विरुद्ध पुलिस को खड़ा होना चाहिए था और ऐसी स्थिति पैदा होनी चाहिए थी कि दूसरे ऐसा करने का दुस्साहस न करें। इतनी देर तक संघर्ष होता रहा और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। समाचार पत्रों की रिपोर्ट बताती है कि अंततः पुलिस ने प्रतिमा विसर्जन में शामिल लोगों पर ही लाठियां चलाईं जिससे लोग भागे तथा रामगोपाल अकेले फंस गया। इस दृष्टि से उसकी हत्या और साथ हुई बर्बरता का दोषी बहराइच पुलिस भी है। केवल एक तहसीलदार को निलंबित करने से पुलिस प्रशासन की घातक विफलता का परिमार्जन नहीं हो सकता।

दूसरी ओर यह भी देखिए, अगर परिवार के अंदर कानून व्यवस्था का सम्मान होता तो वह कम से कम रामगोपाल को पुलिस के हवाले करता। इसकी जगह बेरहम पिटाई, बर्बरता हुई और फिर गोली मारी गई। यह बगैर मजहबी जुनून और नफरत के संभव ही नहीं है। पोस्टोमार्टम रिपोर्ट में रामगोपाल की मृत्यु का कारण गोली लगना है। किंतु पोस्टमार्टम करने वाले डॉ संजय शर्मा का बयान है कि उनके पैरों के अंगूठे के नाखूनों के भाग नहीं थे, आंख के ऊपर नुकीले चीजों से वार था। शरीर पर स्वाभाविक ही अलग-अलग चोट के निशान थे। यानी शव को विकृत करने की कोशिश हुई या पहले ही उसकी निर्मम पिटाई की गई। गोली मारने का वीडियो भी सामने आ चुका है। किसी के शरीर से अगर तीन दर्जन छर्रे निकलते हैं तो आप कल्पना करिए की कितनी नफरत किसी धर्म विशेष को लेकर पैदा की जा चुकी है।

यह समझ से परे है कि आखिर किसी भी धर्मस्थल या घर के बाहर से दूसरे धर्म की यात्राओं के गुजरने, नारे लगने, गाना बजने, झूमने, नाचने का विरोध या उसके विरुद्ध हिंसा क्यों हो सकती है ? अगर हिंदू धर्मस्थलों के सामने से मुसलमान के जुलूस पर आपत्ति हो और मुसलमान के घरों और धर्मस्थलों से हिंदुओं के जुलूस पर तो इससे बुरी स्थिति नहीं हो सकती। सच है कि हिंदुओं के क्षेत्र से गुजरने वाली मुस्लिम यात्राएं बाधित नहीं होती और न उन पर पत्थर चलते हैं, न ही हिंसा होती है। ज्यादातर हिंसा हिंदुओं की शोभायात्राओं या जुलूसों के विरुद्ध ही हो रहे हैं। यह सामान्य स्थिति नहीं है। अभी तक की ऐसी घटनाओं में पुलिस के ही आरोप पत्रों को देखें तो ज्यादातर पहले से तैयारी के साथ नियोजित हमले हुए। वैसे भी किसी मस्जिद या सामान्य घर पर मिनट में उतनी संख्या में पत्थर-ईंट, पेट्रोल पंप या आग्नेयास्त्र नहीं आ सकते जिनका प्रयोग हमने देखा है। तो जो क्रूर सच है उसे उसी रूप में देखने समझने से ही निदान संभव है। कहीं किसी ने इस्लाम या मोहम्मद साहब को लेकर कोई बयान दे दिया, जो बिल्कुल गलत है, पर उस पर प्राथमिकी दर्ज हो गई तब भी देशभर में गुस्ताख ए रसूल की एक ही सजा सिर तन से जुदा,सिर तन से जुदा के डरावने हिंसक नारे लगाती उग्र भीड़ ऐसे व्यवहार कर रही है मानो उस व्यक्ति को इसी समय पीट-पीटकर मार डालेंगे। संबंधित व्यक्ति के धर्मस्थलों पर हमले करने की भी कोशिश होती है और वहां पुलिस सजग नहीं हो तो कुछ भी हो सकता है। यह प्रवृत्ति जिस तरीके से बढ़ी है और कानून व्यवस्था का भय छोड़कर लोग स्वयं अपने हाथों निपटारा करने के लिए निकलने लगे हैं उससे अगर हमारे नेताओं, बुद्धिजीवियों, एक्टिविस्टों तथा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी भय व चिंता नहीं हो तो मान लेना चाहिए कि हमारा पूरा इको सिस्टम दिग्भ्रमित है। राजनीतिक तौर पर भाजपा और संघ परिवार के विरोध में देश को मजहबी जुनून की आग में झोंकने का अपराध भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

नजरिया

प्रियंका को भाजपा आसानी से नहीं दे सकती वॉक ओवर

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बाद सबकी नजर इस पर थी कि राहुल गांधी किस सीट से लोकसभा में जाएंगे। राहुल इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड संसदीय सीट से चुनाव जीते थे। ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी थी। राहुल ने वायनाड सीट से इस्तीफा देते हुए रायबरेली सीट से अपनी सांसदी बनाए रखी। वायनाड से इस्तीफा देने के साथ ही कांग्रेस ने यह भी ऐलान कर दिया कि वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा उम्मीदवार होंगी। प्रियंका अगर वायनाड से चुनाव जीतती हैं तो संसद में गांधी-नेहरू परिवार एक नया कीर्तिमान रच देगा। लंबे इंतजार के बाद साल 2019 में प्रियंका गांधी जब सक्रिय राजनीति में आईं तभी से उनके चुनाव लड़ने को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। कभी उनके लिए उत्तर प्रदेश की परंपरागत अमेठी सीट, तो कभी मां सोनिया गांधी की रायबरेली सीट तो कभी वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के दावे किए जाने लगे। लेकिन वह कभी भी चुनावी समर में नहीं उतरीं। हालांकि अब पार्टी ने प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड सीट से उपचुनाव में उतारने का ऐलान कर दिया। अब तक खुद को चुनाव प्रचार तक सीमित रखने वाली प्रियंका अब पहली बार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगी। प्रियंका अब अगर अपनी पहली चुनावी बाधा को पार कर लेती हैं तो संसदीय इतिहास में यह ऐतिहासिक क्षण होगा।यदि प्रियंका गांधी वायनाड से लोकसभा उपचुनाव जीत लेती हैं, तो यह पहली बार होगा कि जब गांधी-नेहरू परिवार से मां, बेटा और बेटी एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी इस समय राज्यसभा सांसद हैं तो राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। हालांकि इससे पहले कई बार इस गांधी-नेहरू परिवार के कम से कम 2 सदस्य एक समय में संसद में रहे हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहने के दौरान उनके दामाद फिरोज गांधी लोकसभा सांसद रहे थे। फिरोज गांधी पहले 1952 में फिर 1957 में रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। इस दौरान पीएम नेहरू भी लोकसभा सांसद (फूलपुर सीट) थे। इंदिरा गांधी पहली बार 1964 में राज्यसभा की सदस्य बनने के साथ अपने संसदीय करियर की शुरुआत की थी। जबकि उन्होंने 1967 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीता था।

1980 के चुनाव में इंदिरा गांधी सांसद चुनी गईं थी तब उनके बेटे संजय गांधी भी अमेठी सीट से लोकसभा सांसद चुने गए थे। संसद में पहली बार गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी सांसद बनी थी। लेकिन कुछ महीने बाद एक विमान हादसे में संजय की मौत हो गई। ऐसे में यहां पर कराए गए उपचुनाव कराया गया। संजय गांधी के बड़े भाई राजीव गांधी ने 1981 में अमेठी सीट पर हुए उपचुनाव में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की और लोकसभा पहुंचे। तब इंदिरा गांधी भी लोकसभा सांसद थीं और उनके बेटे भी सांसद चुने गए थे। फिर साल 2004 में गांधी-नेहरू परिवार से मां-बेटे की जोड़ी फिर से संसद पहुंची। सोनिया गांधी रायबरेली से सांसद चुनी गईं और उनके बेटे राहुल गांधी ने अमेठी से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करते हुए अपनी पहली चुनावी बाधा पार की।फिरोज और इंदिरा की दूसरी संतान संजय गांधी का परिवार भी लगातार राजनीति में बना हुआ है। संजय की पत्नी मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी की जोड़ी भी संसद में 3 बार बनी रही। वरुण गांधी ने अपने चुनावी करियर की शुरुआत 2009 में पीलीभीत सीट से चुनाव जीतकर की। तब आंवला सीट से मेनका गांधी से सांसद चुनी गई थीं। 2014 में वरुण सुल्तानपुर से सांसद बने तो मां मेनका पीलीभीत से लोकसभा पहुंचीं। 2019 में वरुण पीलीभीत से तीसरी बार सांसद चुने गए तो मेनका ने सुल्तानपुर से जीत हासिल की।

हालांकि 2024 में मेनका कड़े संघर्ष के बाद चुनाव हार गईं जबकि उनके बेटे को बीजेपी ने मैदान में नहीं उतारा था। दूसरी ओर, 2004 से लेकर अब तक सोनिया और राहुल के रूप में मां-बेटे की यह जोड़ी संसद में बनी हुई है। लेकिन इस समय सोनिया लोकसभा की जगह राज्यसभा की सदस्य हैं।अब ठीक 20 साल बाद 2024 में मां-बेटे की यह बेमिसाल जोड़ी एक कदम आगे बढ़ाते हुए अपने साथ एक बेटी को भी शामिल करने जा रही है। अब 19 नवंबर को वायनाड का उपचुनाव होने जा रहा है। कांग्रेस ने प्रियंका की चुनाव लड़ने की विधिवत

घोषणा भी कर दी है। उपचुनाव में अगर प्रियंका जीत हासिल करती हैं तो सोनिया गांधी के परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद में दिखेंगे तो मेनका के परिवार का कोई सदस्य संसद में नहीं दिखेगा। पर इन सब बातों में एक पेच भी है। वायनाड से प्रियंका को उम्मीदवार बना कर कांग्रेस इस जीत को आसान समझ रही है पर भाजपा इतनी आसानी से वाक ओवर भी नहीं देने वाली । भले ही गांधी परिवार का साउथ से भी पुराना रिश्ता रहा है। इंदिरा गांधी 1978 का उपचुनाव कर्नाटक के चिकमगलूर से जीतीं थीं। इसके बाद 1980 में इंदिरा ने आंध्र के मेडक सीट से जीत हासिल की। 1999 में सोनिया गांधी ने भी अपना राजनीतिक करियर दक्षिण से किया था। वे 1999 में अमेठी और कर्नाटक की बेल्लारी सीट से चुनाव लड़ी थीं और दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, बाद में बेल्लारी सीट उन्होंने छोड़ दी थी।

वायनाड से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के फैसले के बाद सोशल मीडिया समेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई थी कि इस सीट से भाजपा किसे उम्मीदवार बनाएगी। चर्चा ये भी थी कि बीजेपी तेज तर्रार नेता स्मृति ईरानी को वायनाड सीट से उतार सकती है। भले ही स्मृति ईरानी इस बार अमेठी से के एल शर्मा के सामने लोकसभा चुनाव हार गई हों, लेकिन 2019 में वे कांग्रेस के गढ़ अमेठी से राहुल गांधी को हरा चुकी हैं। ऐसे में भाजपा उन्हें इस सीट से उतार कर मुकाबला दिलचस्प बना सकती है। गौरतलब है कि भाजपा टिकटों को लेकर पहले भी चौंकाने वाले फैसले करते आई है। 1999 में जब सोनिया गांधी के बेल्लारी से डेब्यू करने की बात सामने आई थी, तब बीजेपी ने इस सीट से सुषमा स्वराज को टिकट देकर चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया था। सुषमा ने इस सीट पर सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, वे इस चुनाव में हार गई थीं। सोनिया गांधी को 414000 वोट मिले थे। जबकि सुषमा स्वराज ने साढ़े तीन लाख से ज्यादा वोट हासिल किए थे। सोनिया गांधी इस चुनाव में करीब 56000 वोट से चुनाव जीत पाई थीं।

एक चर्चा में माधवी लता का भी नाम आ रहा था । भाजपा की उस पर भी नज़र रह थी पर आखिरकार भाजपा ने वायनाड सीट से केरल की तेज तर्रार स्थानीय महिला नेता नव्या हरिदास को अपना प्रत्याशी बनाया है। नव्या हरिदास (39) कोझिकोड कॉरपोरेशन में दो बार पार्षद रह चुकी हैं और बीजेपी की पार्षद दल की नेता हैं। वह बीजेपी महिला मोर्चा की राज्य महासचिव भी हैं. हरिदास के पास केएमसीटी इंजीनियरिंग कॉलेज, कालीकट यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री है। वह 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में कोझिकोड दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी की उम्मीदवार थीं, लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवार अहमद देवर कोविल से हार गई थीं। जानकर लोगों को कहना है कि नव्या के स्थानीय होने का उसे फायदा भाजपा मिल सकता है।

नामांकन दाखिल करने के बाद एक टी वी चैनल से खास बातचीत में नव्या हरिदास ने वायनाड क्षेत्र की जरूरतों पर जोर दिया। उन्होंने कहा वायनाड के लोगों को प्रगति की जरूरत है। कांग्रेस परिवार वास्तव में वायनाड के लोगों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहा है। इस चुनाव से वायनाड के निवासियों को एक बेहतर सांसद की जरूरत है जो उनकी समस्याओं का समाधान कर सके। साथ ही हरिदास ने स्थानीय समुदाय की चिंताओं को प्राथमिकता देने वाले प्रतिनिधि की आवश्यकता पर जोर दिया। स्थानीय शासन में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, हरिदास ने अपनी सार्वजनिक सेवा के अनुभव को शेयर किया। उन्होंने कहा कि मुझे प्रशासनिक अनुभव है, जैसे कि मैं केरल में दो बार पार्षद के रूप में चुनी गई हूँ। तो पिछले आठ वर्षों से, मैं राजनीतिक क्षेत्र में हूँ, लोगों की सेवा कर रही हूँ, उनकी समस्याओं को समझ रही हूँ और हमेशा उनके साथ खड़ी रही हूं। भाजपा ने नव्या हरिदास को प्रियंका के सामने मैदान में उतारकर जाता दिया है कि वह प्रियंका को आसानी से वाक ओवर नहीं दे सकती।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

घर के कामकाज में हाथ बंटाने वाले रोबोट विकसित किए जाने में अभी लग सकता है लंबा समय

एडिनबर्ग/भाषा

हाल ही में टेस्ला की प्रदर्शनी में चलते-फिरते, बोलते-नाचते 'ऑप्टिमस' रोबोट ने काफी उत्साह पैदा किया था। लेकिन लोगों का उत्साह तब ठंडा पड़ गया जब यह जाहिर हुआ कि जो कुछ भी हो रहा था, वह वास्तव में मानव द्वारा दूर से नियंत्रित किया जा रहा था। भले ही यह अब भी भविष्य की एक आकर्षक झलक हो, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि रोबोट उम्मीद से बेहतर साबित हुए हैं।

उदाहरण के लिए, 'सोफिया' को ही लें, जिसे 2016 में टेक्सास स्थित हैनसन रोबोटिक्स ने बनाया था। कंपनी ने उसे अनिवार्य रूप से एक बुद्धिमान प्राणी के रूप में प्रस्तुत किया था, जिसे कई तकनीकी विशेषज्ञों ने इसे उस समय हमारी क्षमताओं से परे बताया था। इसी तरह हमने बोस्टन डायनेमिक्स के 'एटलस' जिमनास्टिक्स, ब्रिटेन निर्मित अमेका रोबोट ''वेकिंग अप'' और हाल ही में टेस्ला के 'ऑप्टिमस' के सावधानीपूर्वक तैयार किये गए वीडियो देखे हैं। जाहिर है कि ये अभी अलग-अलग तरीकों से प्रभावशाली हैं, लेकिन वे पूर्ण 'पैकेज' के करीब नहीं पहुंचे हैं। ऑप्टिमस या एटलस को किसी गैर पूर्व निर्धारत स्थान पर छोड़ दें और आप बहुत कुछ अलग देखेंगे।

हमारे घरों में काम करने में सक्षम एक मानव रोबोट को कई अलग-अलग कार्य करने, हमारे उपकरणों का उपयोग करने, हमारे वातावरण में गतिविधियां करने और मानव की तरह हमसे संवाद करने में सक्षम होना चाहिए। अगर आपको लगता है कि यह केवल एक या दो साल में सच हो सकता है, तो आपको निराशा हाथ लगने वाली है।

टेस्ला की प्रदर्शनी की ''विजार्ड ऑफ ओज़'' रिमोट ऑपरेशन तकनीक इस क्षेत्र में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली नियंत्रण विधि है, जो शोधकर्ताओं को एक मानक देती है जिसके आधार पर वे अपनी वास्तविक प्रगति का परीक्षण कर सकते हैं। टेलीमेट्रिक्स नियंत्रण के रूप में जाना जाने वाला यह कुछ समय से मौजूद है, और अधिक उन्नत होता जा रहा है।

इस लेख को लिखने वालों में से एक, कार्ल स्ट्रैथर्न, इस साल की शुरुआत में जापान में एक सम्मेलन में शामिल हुए थे। वहां शीर्ष रोबोटिक्स प्रयोगशालाओं में से एक के मुख्य वक्ता ने एक उन्नत टेलीमेट्रिक्स प्रणाली का प्रदर्शन किया। स्पष्ट रूप से, यह बहुत उपयोगी तकनीक है। टेलीमेट्रिक प्रणाली का उपयोग खतरनाक वातावरण, दिव्यांगता स्वास्थ्य सेवा और यहां तक कि बाहरी अंतरिक्ष में काम करने वाले रोबोट को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। लेकिन इस मामले में मानव के अब भी शीर्ष पर होने का कारण यह है कि एटलस जैसे सबसे उन्नत मानवीकृत रोबोट भी अभी तक वास्तविक दुनिया में पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए पर्याप्त रूप से विश्वसनीय नहीं है।

एक और बड़ी समस्या सामाजिक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) है। डीपमाइंड के जेमिनी और ओपनएआई के जीपीटी-4 विजन जैसे अग्रणी जेनरेटिव एआई कार्यक्रम भविष्य में मानवीकृत रोबोट के लिए रचनात्मक स्वायत्त एआई प्रणाली की नींव रख सकते हैं। लेकिन हमें यह विश्वास करके गुमराह नहीं होना चाहिए कि ऐसे मॉडल का मतलब है कि रोबोट अब वास्तविक दुनिया में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम है।

डेटा की कमी

दूसरी मुख्य चुनौती एआई प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए वास्तविक दुनिया के डेटा की कमी है, क्योंकि ऑनलाइन डेटा हमेशा हमारे रोबोट को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक वास्तविक दुनिया की स्थितियों का सटीक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करता है। हमें अभी तक इस वास्तविक दुनिया के डेटा को पर्याप्त मात्रा में एकत्र करने का कोई प्रभावी तरीका नहीं मिला है, ताकि अच्छे परिणाम मिल सकें। हालांकि, अगर हम इसे एलेक्सा और मेटा रे-बैन जैसी तकनीकों से जोड़ सकें तो यह स्थिति जल्द ही बदल सकती है।

पाकिस्तान कैबिनेट ने विवादास्पद संवैधानिक संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान कैबिनेट ने रविवार को गठबंधन सहयोगियों से आम सहमति लेने के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में एक बैठक के दौरान विवादास्पद 26वें संवैधानिक संशोधन के प्रस्तावित मसौदे को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। गठबंधन सरकार रविवार को सीनेट और नेशनल असेंबली में प्रस्तावित न्यायिक सुधार विधेयक पेश करने के लिए तैयार है। 'डॉन न्यूज' ने प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के हवाले से कहा, ''संघीय कैबिनेट ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी समेत सरकार और इसके गठबंधन सहयोगियों के 26वें संवैधानिक संशोधन के प्रस्तावित मसौदे को मंजूरी दे दी है।''

'एक्सप्रेस न्यूज' के अनुसार, कैबिनेट बैठक से पहले प्रधानमंत्री शहबाज ने प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन पर विस्तृत चर्चा के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की। बैठक के बाद संघीय मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि सरकार ने इसके मसौदे को मंजूरी दे दी है, जो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), सरकार और गठबंधन सहयोगियों के सहयोग से तैयार किया गया था। कैबिनेट ने आधिकारिक तौर पर मसौदे पर मुहर लगा दी है। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, गठबंधन सरकार बहुप्रतीक्षित 26वें संवैधानिक संशोधन को संसद में पारित कराने को लेकर बेहद आशावादी है।

पूजा

पटना में रविवार को करवा चौथ त्यौहार के अवसर पर महिलाएं अनुष्ठान करती हुई।

बांग्लादेश में सर्वोच्च न्यायिक परिषद बहाल, संसद नहीं हटा सकेगी न्यायाधीशों को : सर्वोच्च न्यायालय

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद को न्यायिक कदाचार के आरोपों की जांच करने के अधिकार के साथ रविवार को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही अपने उस पिछले फैसले को भी बरकरार रखा, जिसमें 16वें संविधान संशोधन को अवैध घोषित किया गया था, जिसके तहत न्यायाधीशों को हटाने का अधिकार संसद को हस्तांतरित किया गया था।

उच्चतम न्यायालय के वकील रुहुल कुद्दुस ने उच्चतम न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद संवाददाताओं को बताया, ''यह आदेश प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की अपीलीय प्रभाग की छह सदस्यीय पीठ द्वारा पारित किया गया।'' सुनवाई में मौजूद कुद्दुस ने कहा कि इस फैसले ने मूल संवैधानिक प्रावधानों को मजबूत किया है। इस फैसले का मतलब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल के दौरान पारित 16वें संवैधानिक संशोधन को रद्द करना भी है, जिसके तहत न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का कार्य उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों वाली सर्वोच्च न्यायिक परिषद के बजाय संसद को सौंप दिया गया था। सोलहवां संशोधन जनवरी 2014 में पारित किया गया, जिसने सर्वोच्च न्यायिक परिषद को न्यायाधीशों को अक्षमता या कदाचार के लिए हटाने के उसके अधिकार से वंचित कर दिया। हालांकि मई 2016 में उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने 16वें संशोधन को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसे सरकार ने जनवरी 2017 में चुनौती दी।

काजोल ने प्रशंसकों को दी करवा चौथ की बधाई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान और अभिनेत्री काजोल की ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) के प्रदर्शन के 29 साल पूरे हो गये हैं। यश चोपड़ा निर्मित और आदित्य चोपड़ा निर्देशित फिल्म दिलवाले दुल्हनियां ले जायेगें , 20 अक्टूबर 1995 को प्रदर्शित हुयी थी। इस फिल्म में शाहरुख खान, काजोल, अमरीशपुरी,अनुपम खेर ने मुख्य भूमिका निभायी थी। काजोल ने फिल्म डीडीएलजे के 29 साल पूरे होने की प्रशंसकों को एक साथ खास अंदाज में बधाई दी।

काजोल ने इंस्टाग्राम पर डीडीएलजे का एक पोस्ट साझा कर कैप्शन में लिखा करवा चौथ के ओजी (ओरिजनल) को 29 साल... सभी को करवा चौथ की शुभकामनाएं... शायद मराठा मंदिर जाकर फिल्म देखें। डीडीएलजे के 29साल पूरे।

विरोध रैली

कोलकाता में रविवार को आरजी कार घटना के लिए न्याय की मांग करते हुए नागरिक एक विरोध रैली में भाग लेते हुए।

हालिया घटनाक्रम पर सलमान खान ने कहा, जीवन के अहम दौर से गुजर रहा हूं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और अपने करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि उन्हें ''बिग बॉस 18'' के प्रतियोगियों के बीच झगड़े को ऐसे समय में संभालना पड़ रहा है जब वह अपने जीवन के एक अहम दौर से गुजर रहे हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी शानदार इफ्तार पार्टियों का आयोजन करने और बॉलीवुड में अपने संपर्क के लिए जाने जाते थे। सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के मुंबई में स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस के अनुसार खान से करीबी संबंध होने के कारण सिद्दीकी को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई द्वारा निशाना बनाये जाने की आशंका है।

'बिग बॉस 18' के शनिवार के 'वीकेंड का वार' एपिसोड में खान ने कहा कि वह लोकप्रिय रियलिटी शो के सेट पर नहीं आना चाहते थे।

सोशल मीडिया पर प्रसारित कई वीडियो में खान को यह कहते हुए देखा जा सकता है, ''यार, कसम खुदा की, मैं अपनी जिंदगी में किन हालातों से गुजर रहा हूं और मुझे आकर ये सब संभालना है (बिग बॉस के घरवालों के बीच झगड़े)... मुझे लगता है कि मुझे आज यहां नहीं आना चाहिए था। लेकिन आपको वही करना होगा जो आपको करना है।'' उन्होंने एक अन्य वीडियो में कहा, ''मेरे पर भी बहुत सारे लांछन लगाए गए हैं। मैं जानता हूं कि मेरे माता-पिता पर क्या गुजरती है।''

फिल्म 'लव इज लव' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जरीना वहाब, किटू गिडवानी और बिदिता बाग की फिल्म 'लव इज़ लव' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'लव इज़ लव' लोकप्रिय इंटरनेशनल एलजीबीटीक्यू+ओटीटी प्लेटफॉर्म डेक्कू पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म है। 'लव इज़ लव' में किटू गिडवानी, ज़रीना वहाब, कपिल कौस्तुभ शर्मा, युवराज पाराशर, बिदिता बाग, शाहजहाँ और मोना अम्बेगांवकर जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। फिल्म की कहानी 2002 से 2023 तक चार चरणों में फैली हुई है, जिसमें किटू गिडवानी अपने शानदार करियर में पहली बार एक वेश्या का किरदार निभा रही हैं।लव इज़ लव के मेकर्स ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर ट्रेलर जारी कर दिया है। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, प्यार किसी सामाजिक परिभाषा या प्रतिबंध से बंधा नहीं है। 'लव इज़ लव' के साथ हमारा लक्ष्य प्यार को उसके सभी रूपों में दिखाना है, सीमाओं को पार करना है और हर जगह दिलों तक पहुंचना है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म बातचीत को बढ़ावा देगी और समावेशिता को सबसे आगे लाएगी। कपिल कौस्तुभ शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित और युवराज पाराशर द्वारा निर्मित, 'लव इज़ लव' में ज़ीनत अमान के बेटे ज़हान खान और निखिल कामथ ने संगीत दिया है।

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, अन्य लोगों के साथ रविवार को श्रीनगर में कश्मीर की पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भाग लेते हुए।

फिल्म 'अग्निपरीक्षा' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की आने वाली फिल्म अग्निपरीक्षा की शूटिंग शुरू हो गयी है। सुर म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही फिल्म अग्निपरीक्षा के निर्माता सुरेंद्र यादव और निर्देशक लाल बाबू पंडित हैं। खेसारीलाल यादव कहा, मैं फिल्म अग्निपरीक्षा को लेकर बेहद उत्साहित हूं।फिल्म की कहानी और इसकी प्रस्तुतिकरण दर्शकों को ज़रूर पसंद आएगी। हम हर बार कुछ नया और बेहतर देने की कोशिश करते हैं, और इस बार भी दर्शकों को एक दमदार फिल्म मिलेगी। मुझे यकीन है कि 'अग्निपरीक्षा' दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाएगी। मेरे चाहने वालों का प्यार और समर्थन ही मुझे प्रेरित करता है कि मैं हर बार कुछ अलग और बेहतरीन करूं। मैं उम्मीद करता हूं कि यह फिल्म भी आप सभी को पसंद आएगी, जैसे हमेशा से आपने मेरे काम को सराहा है।

निर्माता सुरेन्द्र यादव ने बताया, फिल्म अग्निपरीक्षा मेरे लिए बहुत खास है, और मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हूं। फिल्म की कहानी बहुत ही रोमांचक और दिलचस्प है, जिसमें दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ एक गहरा संदेश मिलेगा। हमारी पूरी टीम ने फिल्म की स्क्रिप्ट और म्यूजिक पर बहुत मेहनत की है, और मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने में कामयाब रहेगी।

फिल्म अग्निपरीक्षा में खेसारीलाल यादव के साथ आकांक्षा पुरी और नीलम गिरी मुख्य किरदारों में नज़र आएंगी। इसके अलावा इस फिल्म में सुशील सिंह, प्रकाश जैश, विनोद मिश्रा, जे. नीलम, समर्थ चतुर्वेदी, महेश आचार्य, ऋतु चौहान, सोनिया मिश्रा, विकास सिंह बिरीपन, सोनू पांडे, दीपक सिन्हा और अलीशा मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

अमिताभ के साथ रोमांस करना चाहती है विद्या बालन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन फिल्मों में अमिताभ बच्चन के साथ रोमांस करना चाहती हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' में, बॉलीवुड के सुपरस्टार विद्या बालन और कार्तिक आर्यन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भूल भुलैया 3' के प्रमोशन के सिलसिले के लिये पहुंचे थे। शो के दौरान विद्या बालन ने होस्ट अमिताभ बच्चन से एक किस्सा शेयर किया। विद्या बालन ने कहा,फिल्म पा शूट करते वक्त एक सीन था, जहां बच्चन सर , मैं और अभिषेक बारिश में मंकी डांस कर रहे होते हैं। उन्होंने अमिताभ से कहा,मैंने सोचा, मैं आपके साथ आज रपट जाएं तो हमें न उठाइयो पर डांस करना चाहती हूं, लेकिन मैं आपकी मां का किरदार निभा रही हूं और आपके साथ मंकी डांस कर रही हूं।ख्वाहिश अधूरी रह गई सर।मुझे 60 और 70 की दशक की एक्ट्रेस से प्यार है। उनमें अलग सुंदरता और ग्रेस होता था। उनकी शख्सियत उनके किरदारों में से उभरकर बाहर आती थी। सबसे ज्यादा जरूरी बात ये है कि वो सब आपके साथ काम कर चुकी हैं। विद्या ने बताया कि वह अमिताभ की एक्ट्रेस बनना पसंद करेंगी। शो के दौरान विद्या ने अमिताभ के साथ डांस किया।

परिणीति, शिल्पा और सोनम ने करवा चौथ पर किए खास इंतजाम

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। पति के लिए व्रत रख महिलाएं आज करवा चौथ का त्यौहार धूमधाम के साथ मना रही हैं। इस बीच परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शेट्टी समेत कई अभिनेत्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर करवा चौथ की तैयारियों से जुड़ी तस्वीरें साझा की हैं। परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपने दूसरे करवा चौथ की कई तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में वह अपनी मेहंदी डिजाइन को दिखाती हुई नजर आ रही हैं। हैशटैग के साथ उन्होंने लिखा मेहंदी, करवाचौथ। एक अन्य तस्वीर में देखा जा सकता है कि त्यौहार के लिए उनका घर भी सजाया गया है। उन्होंने एक वीडियो भी साझा की, जिसमें वह एक कुर्सी पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और उनके पति राघव चड्ढा को 'वेलकम होम' कहते हुए सुना जा सकता है।

परिणीति पति राघव के साथ करवा चौथ मनाने के लिए दिल्ली पहुंचीं। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर त्यौहार की तैयारियों की झलकियां साझा कीं।

उन्होंने अपनी 'सरगी' का एक प्यारा वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी मेज उपहार और भोजन से भरी है। दूसरी तस्वीर में वह सिंपल लेकिन बेहद खूबसूरत मेंहदी को दिखा रही हैं। इसमें खिलता कमल दिख रहा है। वहीं, स्टाइलिश एक्टर सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम हैंडल पर करवा चौथ की तैयारी से जुड़ी तस्वीरें चस्पा की। स्टोरी सेक्शन पर साझा की गई तस्वीर में वह पति आनंद आहूजा और बेटे वायु के लिए प्यार का इजहार करते हुए मेंहदी डिजाइन को दिखाती नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में सोनम कपूर एक सफेद आउटफिट में बैठी मेंहदी लगवाती नजर आ रही हैं। बता दें कि सोनम बता चुकी हैं कि वह व्रत नहीं करती हैं क्योंकी उन्हें मेंहदी लगवाना, तैयार होना और खाना पसंद है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 21-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

संयम यानी यत्नापूर्वक, विवेकपूर्ण चलना, गुरु की आज्ञा का शिरोधार्य करना। पहले जीव अजीव, गति, पुण्य, पाप को जानना। भोगों से मन निवृत्त होगा तो आप अणगार बनोगे। उत्कृष्ट संयम पालने से केवल ज्ञान, मोक्ष की प्राप्ति होगी। जो तप गुण को प्रधानता देता है, हृदय में क्षमा भाव को धारण करता है, वह बोधि पुनः प्राप्त कर सकता है। मनुष्य जीवन में संयम जीवन को अपनाना विश्व में सबसे बड़ी उपलब्धि है। संयम, व्रत, नियम से आश्रवों को रोक दिया तो कर्मनिर्जरा संभव है।

परिषह आने पर समभाव में रहना साधना की सफलता में सहायक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फोटो : महेन्द्रऋषि

परिषह आने पर समभाव में रहना साधना की सफलता में सहायक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि धर्म, धैर्य की परीक्षा आपत्ति के समय होती है। परीक्षा यानी ऐसी परिस्थिति, जो सामान्य व्यक्ति को दुःखी बना देती है और जो साधक है, उसके लिए वह कष्ट नहीं बल्कि कष्ट दूर करने के लिए है। जो परिषह आए, अपने आप में रहे वह साधक कष्ट को कष्ट मानता ही नहीं है क्योंकि उसने परिषह के स्वरूप को समझा है। परिषह सहन करने से तीन लाभ होते हैं, पहला आत्मशक्ति बढ़ेगी, दूसरा मनोबल बढ़ेगा और तीसरा भीतर का आनंद बढ़ेगा। जैसे कोई अगर मजबूत व्यक्ति हैं, उसके सामने कैसा भी आघात आए, वह सहजता से सहन कर लेता है। परिषह 22 प्रकार के है। उनमें 20 प्रतिकूल और 2 अनुकूल होते हैं।

उन्होंने कहा अनुकूल परिषह है स्त्री परिषह और प्रज्ञा परिषह। स्त्री की मीठी आवाज़, सौंदर्य, चाल आदि का कोई असर नहीं होना, स्त्री विषयभोग इत्यादि के लिए कहे तो भी मन को मज़बूत रखना। बुद्धि का विकास होने पर अर्थात ज्ञानी होने पर भी मद न करना, वह प्रज्ञा परिषह है। कभी कभी व्यक्ति को ज्ञान हजम नहीं होता है। हमारी समझ को सही रास्ते में ले जाना उचित है। प्रज्ञा परिषह को झेलना कठिन है। वह भीतर ही भीतर बहुत दुःखी होता है। परिषह के आने पर विचलित नहीं होना चाहिए। आपकी प्रतिभा को ललचाने वाली प्रज्ञा परिषह है। उन्होंने कहा अनुकूल, प्रतिकूल परिषह में समभाव में रहना साधना में सहायक है। प्रतिकूल परिस्थितियों को सहन करने की तैयारी रखो। अगर परिषहों को सहन करने की तैयारी नहीं होगी तो वह व्यक्ति टूट जाता है। साधना में सफलता उसे ही मिलेगी जो बाहरी पदार्थों की आसक्ति को खत्म करेगा। आपको मनुष्य बनना बहुत कठिन है। बहुत शुभ कार्य उदय में आए तब यह संयोग मिलता है। अपनी अनंत- अनंत पुण्य राशि जमा हुई तब मनुष्य जन्म मिला। मनुष्य जन्म तो मिला लेकिन परमात्मा के शास्त्र श्रवण अति मुश्किल है। आराधना वाचना के रूप में होती है।

उन्होंने कहा शास्त्र श्रवण और फिर उसमें श्रद्धा तो और दुर्लभ है। जब श्रद्धा आ जाए तो उसका पराक्रम करना। जब आचरण की बारी आए तब पीछे नहीं हटना। यह पराक्रम दुर्लभ है। इसमें संयम की भावना होनी चाहिए। हमें पुरुषार्थ के महत्व को जीवन में समझना है। टूटे पत्ते को जोड़ा नहीं जा सकता है, इसी प्रकार यह जीवन छूटने के बाद में आना दुर्लभ है। संसार में जीव औरों के लिए कलाकारी करता है लेकिन खुद पर आने पर दुःखी होता है। व्यक्ति को अपने क्रोध से खुद की सुरक्षा करनी है, इस पर कार्य करना है, चाहे गृहस्थ जीवन हो या साधु जीवन। दोनों का लक्ष्य एक होना चाहिए, तब वह सही है। सच्ची साधना यही है कि उससे अपनी रक्षा करना। मान, माया, लोभ का त्याग करना।

युवाचार्य भगवंत ने कहा जो साधनामय जीवन जीने के लिए आगे बढ़ते हैं, उनके जीवन का अंतिम समय समाधिपूर्वक होता है। पाप का सेवन करो ही मत। सतत् जागृत रहकर साधना में आगे बढ़ो। जो अज्ञानी होता है, उसकी मृत्यु पुनर्जन्म को बढ़ाने वाली होगी। जो काम, भोगों में आसक्त होकर गलत काम करता है, परलोक पर श्रद्धा नहीं है, वह इहलोक और परलोक दोनों प्रकार के जीवन को खराब करता है, वह अकाम मरण है। आसक्ति रखने वाला मृत्यु आने पर बहुत रोता है। सकाम मरण, पंडित मरण वाला ज्ञानी जो होता है, वह श्रद्धापूर्वक साधनामय जीवन जीता है और अंतिम समय समाधिपूर्वक आगे बढ़ता है। परमात्मा ने इस जीवन की दुर्लभता बताते हुए प्रेरणा दी है। उसे हम जीवन में धारण करें। इस दौरान वडगांव, अहमदनगर, पूना, राजस्थान आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए।

बालिकाएँ, महिलाएं बने स्वयं आत्मविश्वासी : डॉ साध्वी गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के माधावरम् के जैन श्वेतांबर तेरापंथ माधावरम ट्रस्ट के तत्वावधान में, युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में, कैसे करें आत्मरक्षा नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कराटे और जुडो चैंपियन श्रीमती प्रिया संचेती ट्रेनर थीं। उन्होंने आत्मरक्षा के बहुत ही उपयोगी और सरल टिप्स बताए, जो सभी के लिए लाभदायक रहे।

साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी ने कहा कि समय-समय पर ऐसी कार्यशालाएँ समाज में होनी चाहिए, जिससे बालिकाओं और महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़े। श्रीमती प्रिया संचेती भी इसी तरह अपनी सेवा देती रहें। साध्वीश्री मयंक प्रभाजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ माधावरम ट्रस्ट द्वारा प्रिया संचेती का अभिनंदन किया गया।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां आवाड़ी के श्री सन्मति गौशाला रविवार को श्री अन्नानगर जैन संघ से महावीरचंद रांका एवं ज्ञानचंद पटवा एवं श्री अन्नानगर महिला मंडल से नीता अजीत कुमार सिसोदिया, वसंता किरण सुराना द्वारा रजत स्तम्भ अमरमिति में कबुतर दाना, बोरी तवड हरा चारा लोड सुखा घास दिया गया। रांका परिवार का इस मौके पर स्वागत किया गया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में संगीतमय सुन्दरकांड पाठ रविवार को सम्पन्न हुआ। यहां कोविल कोंगुनगर में मंदिर में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंडल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार सहित मुलचंद शर्मा, शिवप्रसाद पारीक, सुभाषचंद्र, भागीरथ गुलेरिया, हिरालाल सरोज, मनोज व्यास, विरेन्द्र शर्मा, लखन सैन, अरविंद सिंह, महेन्द्र शर्मा, सुखदेव शर्मा, गंगाधर पारीक, सागर कश्यप, संदीप शर्मा, सुनील शर्मा, विष्णु बोहरा, सिताराम, गोपाल शाह आदि उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए टी. नरसीपुरा की पिंजरापोल गौशाला के प्रमुख संत चेतनगिरीजी एवं प्रेमहरि प्राणी मात्र सेवा संस्थान जोधपुर के संरक्षक संत प्रेमहरिजी का सम्मान करते हुए मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत।

नेपाल की धरती पर चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी: ओली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह 'एक चीन' नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में उनके आधिकारिक आवास पर हुई।

'एक चीन' नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी।

चीन का दावा है कि अलग हुआ देश ताइवान उसका हिस्सा है और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए 'एक चीन' नीति का पालन करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान ओली ने नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री के सचिवालय के अनुसार, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) पार्टियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बातचीत हुई। ओली सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष हैं और उन्हें चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है।

सिंगापुर के साथ परस्पर हितों की अधिक संभावनाएं तलाशेंगे शिक्षा मंत्री प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि वह यहां अपनी आगामी बैठकों के दौरान सिंगापुर के मंत्रियों के साथ शिक्षा क्षेत्र में सहयोग और आपसी हितों को बढ़ाने की संभावनाएं तलाशेंगे।

प्रधान शिक्षा में पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग, भागीदारी और तालमेल को बढ़ावा देने के लिए 20 से 26 अक्टूबर तक सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया की अपनी सात दिवसीय यात्रा के पहले चरण में सिंगापुर में हैं। उन्होंने दोपहर के भोजन पर करीब 500 प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं शिक्षा के क्षेत्र में आपसी हितों की अधिक संभावनाएं तलाशने के लिए यहां आया हूं, जैसे पीएचडी कार्यक्रम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा जैव प्रौद्योगिकी जैसे भविष्य के क्षेत्र।''

मंत्री ने कहा कि सिंगापुर का भारतीय बाजार के साथ स्वाभाविक संबंध है और ''हम भविष्य में सिंगापुर के साथ बड़े पैमाने पर जुड़ेंगे।''

प्रधान अपनी दो दिवसीय सिंगापुर यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, उप प्रधानमंत्री गान किम योंग, शिक्षा मंत्री चान चुन सिंग और विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात करेंगे।

प्रधान सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ एक स्थानीय माध्यमिक विद्यालय का भी दौरा करेंगे, जहां वे पाठ्यक्रम एकीकरण की संभावना पर चर्चा करेंगे, जिसमें जोर एआई पर होगा।

मंत्री शिक्षाविदों, आईआईटी और आईआईएम के पूर्व छात्रों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों से मिलेंगे और दोनों देशों के शिक्षा संबंधित चर्चाओं में शामिल होंगे।

प्रधान ने प्रवासी भारतीयों के साथ अपनी बैठक के दौरान कहा, ''भारत अगले दो दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने जा रहा है, क्योंकि यह एक ज्ञान आधारित समाज है।'' उन्होंने बताया कि वैश्विक वित्त, व्यवसाय और अर्थव्यवस्था ज्ञान के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसके लिए भारत एक स्वाभाविक केंद्र है।

भारत में हो रही प्रगति का उदाहरण देते हुए, प्रधान ने कहा कि देश वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में लाखों टन हाइड्रोजन का उत्पादन करने जा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हाइड्रोजन का एक बड़ा निर्यातक होगा।''

प्रधान ने उन्नत डिजिटल भुगतान प्रणालियों द्वारा संचालित एक अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक निर्णायक और स्थिर सरकार है, जिसमें नीतिगत निश्चितताएं हैं, जो वैश्विक निवेशक समुदाय को आश्वस्त करती हैं।

आत्मा ही परमात्मा है, आत्मा का स्वभाव आनंद है : साध्वी संयमपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में साध्वीश्री संयमपूर्णाश्रीजी की निश्रा में लाभार्थी सुमतीदेवी नथमलजी दरजाणी बाफना परिवार के सहयोग से आदर्श कालेज चामराजपेट में 'एक आत्मा की यात्रा अभी नहीं-तो कभी नहीं' विषयक सेमिनार का आयोजन रखा गया। मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष मनोज बाफना ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री संयमपूर्णाजी ने कहा कि हमने अभी तक हमारे भीतर की आत्मा को न देख कर भौतिक सुख- दुख को देख कर विचलित हो रहे हैं। हम दूसरों की ज्योति के सहारे अपने आप को जोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। आप अपनी इन्द्रियों पर भौतिक सुख के लिए उस पर अत्याचार कर रहे हो, क्या कभी भी आप ने रात्रि विश्राम से पहले कभी यह चिंतन किया आज मैंने क्या पुण्य एवं क्या पाप के कार्य किए, अंदर की आत्मा में झांक कर देखो क्या खोया क्या पाया। यह आत्मा ही परमात्मा है, आत्मा का स्वभाव आनंद है, आनंद की अनुभूति आप कही पर भी कर सकते हो जिस दिन आप को आनंद की अनुभूति होने लगे तब आप एक श्रावक बन जाओगे। तब आप की साधना आराधना में आनंद की अनुभूति की महक आने लगेगी।

युवक महासंघ द्वारा लाभार्थी परिवार एवं महावीर दर्शन मंडल का सम्मान किया। धन्यवाद आशीष बाफना ने दिया। संचालन अभय गादिया ने किया। इस सेमिनार के सम्पूर्ण व्यवस्था मनोज बाफना, पदम मुथा, गौतम पोरवाल, दिलीप वेदमूथा, महावीर हुंडिया, चम्पालाल दांतेवाडिया, आशीष बाफना आदि ने संभाली

मुकेश अंबानी ने बदरीनाथ, केदारनाथ के दर्शन किए

गोपेश्वर/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रविवार को भगवान बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन किए और दोनों मंदिरों में कुल पांच करोड़ दो लाख रुपए की भेंट अर्पित की। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पहले बदरीनाथ धाम पहुंचे जहां श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार एवं मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने उनकी अगवानी की । सुबह नौ बजे मंदिर पहुंचने के बाद उन्होंने भगवान के दर्शन किए तथा पूजा में शामिल हुए । इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही स्थित लक्ष्मी मंदिर में मां लक्ष्मी के दर्शन किये।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.